दैनिक

महाराष्ट्र समाचार

संपादक : अकबर खान

राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र

वर्ष : 13 अंक : 91 मुंबई, सोमवार, 12 जनवरी-2026 E-mail:dailymaharashtrasamachar@gmail.com मूल्य 3.00 रुपया पृष्ठ - 06 RNI.No.MAHHIN/2013/53656

खामेनेई सरकार की अमेरिका-इजरायल को धमकी

अगर अमेरिका ने हमला किया, तो हम इजरायल, अमेरिका दोनों पर हमला करेंगे

तेहरान, 11 दिसम्बर (एजेंसियां)। ईरान की मजलिस (संसद) के अध्यक्ष मोहम्मद बघेर गालिबाफ ने कहा है कि अगर अमेरिका उनके देश पर हमला करता है तो वे भी इजरायल और अमेरिका दोनों के खिलाफ

- **ईरानी राष्ट्रपति बोले, अमेरिका-इजराइल दंगे भड़का रहे**
- **ईरानियों से दंगाइयों व आतंकवादियों से दूर रहने को कहा**

जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार हैं। कैस्पियन पोस्ट की ओर से प्रकाशित एक खबर के अनुसार, गालिबाफ ने एक आपातकालीन बैठक के दौरान कहा कि इजरायल और अमेरिका का सामना करने के अलावा ईरान आर्थिक, संज्ञानात्मक-मनोवैज्ञानिक और 'सैन्य-आतंकवाद' के मोर्चे पर भी जंग लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका ईरान पर हमला करता है, तो वह इजरायल और पूर्वी एशिया में मौजूद अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर हमला करेंगे।

अमेरिका मुर्दाबाद' के नारे लगाए

गालिबाफ ने कहा, 'हम खुद को कार्रवाई के बाद प्रतिक्रिया देने तक सीमित नहीं मानते हैं। हम खतरे के किसी भी ठोस संकेत के आधार पर कार्रवाई करेंगे।' इस संसदीय सत्र के दौरान सांसदों ने 'अमेरिका मुर्दाबाद' के नारे लगाए। यह घटना तब हुई जब अमेरिकी न्यूज़ वेबसाइट एक्सियोस ने बताया कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ फोन पर गाजा, सीरिया और ईरान में विरोध प्रदर्शनों पर चर्चा की। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने रविवार को कहा कि अमेरिका और इजराइल ईरान में दंगे भड़काकर अराजकता और अव्यवस्था फैलाना चाहते हैं। उन्होंने ईरानियों से दंगाइयों और आतंकवादियों से दूर रहने को कहा। पजशकियान का कहना है कि अधिकारी प्रदर्शनकारियों की बात सुनेंगे। लेकिन दंगाइयों की नहीं, जो पूरे समाज को तबाह करने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्रंप को सैन्य विकल्पों की दी गई जानकारी

ट्रंप का फैसला लेना बाकी

वाशिंगटन। ईरान में जारी प्रदर्शन और भारी तनाव के बीच अमेरिकी मीडिया ने यूएस के अधिकारियों के हवाले से बताया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ नए हमले का आदेश देने की संभावना पर विचार कर रहे हैं। इस संबंध में अमेरिकी राष्ट्रपति को सैन्य विकल्पों के बारे में ब्रीफ किया गया है। ट्रंप को तेहरान में नॉन-मिलिट्री टारगेट पर हमले समेत कई अटैक ऑप्शन के बारे में बताया गया। हालांकि, अब तक अमेरिकी राष्ट्रपति ने कोई फैसला नहीं किया है। ट्रंप पहले भी ईरान को चेतावनी दे चुके हैं। अमेरिका ने ईरान में हो रहे विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अगर ईरानी सरकार प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई करती है तो सेना स्ट्राइक करेगी।

विरोध प्रदर्शन में अब तक 116 की मौत का दावा

ईरान में करीब दो हफ्ते से ज्यादा समय से सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई के खिलाफ लोग सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। विरोध प्रदर्शन के बीच ईरान में इंटरनेट सेवा रोक दी गई है। वहीं इस प्रदर्शन ने अब हिंसक रूप ले लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस प्रदर्शन में अब तक 116 लोगों की जान चली गई है। अमेरिका की मानवाधिकार गतिविधि से संबंधित न्यूज एजेंसी (एचआरएएनए) ने शनिवार को अनुमान लगाया कि कम से कम 2,638 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

मादुरो ने बेटे को भेजा संदेश

'योद्धा हूं, मजबूत बना हुआ हूं'

काराकस। वेनेजुएला के सांसद निकोलस मादुरो ग्वेरा ने कहा कि उनके पिता राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अपने वकीलों के जरिए संदेश भेजा है। इसमें कहा गया है कि वह ठीक हैं और अमेरिकी हिरासत में होने के बावजूद मजबूत बने हुए हैं। श्री ग्वेरा ने वेनेजुएला की सत्ताधारी यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी के नेताओं को संबोधित किया, 'वकीलों ने हमें बताया कि वे मजबूत हैं और हमें उदास नहीं होना चाहिए।' उन्होंने बताया पिता ने संदेश में कहा है, 'हम लोग ठीक हैं। मैं योद्धा हूं।' राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस, फिलहाल अमेरिका में हैं। अमेरिकी सेना ने गत तीन जनवरी को राजधानी काराकस और अन्य शहरों में सैन्य अभियान चलाकर उन्हें अगवा कर लिया था। इन हमलों की दुनिया भर में निंदा की गई । श्री ग्वेरा ने कहा कि उनके पिता टूटे नहीं हैं।

दिल्ली में सीजन का सबसे ठंडा दिन

पालम में तीन डिग्री पर पहुंचा पारा

- **2013 में न्यूनतम तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियम दर्ज किया गया था**

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी दिल्ली के पालम क्षेत्र में रविवार सुबह को हाल के वर्षों में जनवरी की सबसे ठंडी सुबहों में से एक दर्ज किया गया जहां न्यूनतम तापमान 3.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2010 के बाद यह पालम में दर्ज किया गया दूसरा सबसे कम न्यूनतम तापमान है।

इस अवधि में इससे अधिक ठंडा दिन सात जनवरी 2013 को रहा था, जब तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था। मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पालम में अब तक का सबसे कम न्यूनतम तापमान 11 जनवरी 1967 को दर्ज किया गया था, जब पारा शून्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया था। रविवार को राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में शीतलहर की स्थिति दर्ज की गई।

आईएमडी अधिकारियों ने बताया कि कई मौसम केंद्रों पर न्यूनतम तापमान काफी नीचे दर्ज किया गया। आईएमडी के मुताबिक, पालम, रिज और आयानगर मौसम केंद्रों पर न्यूनतम तापमान 4.1 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया, जो शहर में शीतलहर की स्थिति के मानकों को पूरा करता है।

दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने कहा कि ठंड का यह दौर अगले कुछ दिनों तक जारी रहने की संभावना है, जिसके मद्देनज़र दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को विशेष रूप से सुबह और रात के समय लंबे समय तक ठंड से बचने की सलाह दी गई है।

तुर्कमान गेट पत्थरबाजी मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। तुर्कमान गेट इलाके में हुई पत्थरबाजी मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रविवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इन नई गिरफ्तारियों के साथ ही इस मामले में अब तक कुल 18 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दिल्ली पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान फहीम उर्फ सानू (30) और मोहम्मद शहजाद (29) के रूप में हुई।

12 जनवरी का दिन ऊर्जा, उत्साह और प्रेरणा के नाम होता है। इस दिन हम राष्ट्रीय युवा दिवस मनाते हैं : डॉ. बिजय महाराणा

महाराष्ट्र समाचार / नेटवर्क

न्यू दिल्ली। हर साल राष्ट्रीय युवा दिवस एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है, जो युवाओं से जुड़े समसामयिक मुद्दों शिक्षा, रोजगार, नेतृत्व, मानसिक स्वास्थ्य और राष्ट्र निर्माण पर केंद्रित होती है। ये स्वामी विवेकानंद की जयंती भी है। भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय द्वारा इस शुभ दिवस का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में विशेष प्रतिभा रखने वाले सभी युवाओं को आमंत्रित किया गया है। यह उन युवाओं के लिए एक मंच है जो प्रतिभा में उत्कृष्ट हैं और जिन्हें भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। डॉ. बिजय महाराणा ओडिशा के क्योंझर जिले के खलियामेंटा गांव के रहने वाले हैं और वर्तमान में नेशनल यूथ अवॉर्डीज फेडरेशन ऑफ इंडिया (NYAFI) के राष्ट्रीय महासचिव हैं। डॉ. बिजय महाराणा

केंद्रीय सरकार के मंत्रालय का एक जाना-पहचाना नाम हैं, जो आज के युवाओं को हमारी मातृभूमि को मजबूत और महान बनाने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित कर रहे हैं।आप सभी हमारे प्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संघर्षपूर्ण जीवन से परिचित हैं। एक दिन वे रेलवे स्टेशन पर चाय बांटते थे, माननीय राष्ट्रपति अब्दुल कलाम जी सड़क पर अखबार बांटते थे, ईश्वर चंद्र विद्यासागर स्ट्रीट लाइट के नीचे बैठकर अपनी किताबें पढ़ते थे, धीरूभाई अंबानी पेट्रोल पंप पर काम करते थे और सुपरस्टार फिल्म हीरो अमिताभ बच्चन जी का संघर्ष आप जानते ही हैं। उन्होंने जीवन में वास्तविक सफलता प्राप्त करने और भारत की सर्वोच्च हस्ती बनने के लिए किस प्रकार विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष किया।डॉ. बिजय महाराणा ने भी अपने जीवन में कई संघर्ष किए हैं। वे एक अलग ही व्यक्तित्व के धनी हैं, जो अपनी कठिनाइयों के बारे में किसी से बात नहीं करते। वे मुंबई विश्वविद्यालय से योग विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हैं। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उन्होंने मुंबई में कई कठिनाइयाँ झेलीं। एक समय ऐसा भी था जब वे डब्बावाला, स्टेशन कूलर, अखबार वितरक और कई छोटे-मोटे काम करते थे और अंततः डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।डॉ. बिजय महाराणा वर्तमान में योग गतिविधियों को प्रेरित करने के लिए गृह कल्याण केंद्र के साथ काम कर रहे हैं।डॉ. बिजय को समाज के लिए उनके परोपकारी सामाजिक कल्याण कार्यों और लोगों को योग का अभ्यास करने के लिए प्रेरित करने हेतु (क्र) सर्वश्रेष्ठ योग शिक्षक के रूप में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, राष्ट्रीय युवा पुरस्कार, अंतर्राष्ट्रीय युवा पुरस्कार, डॉ. अब्दुल कलाम राष्ट्रीय पुरस्कार, भारत श्री सम्मान, राष्ट्रीय सरस्वती सम्मान, राष्ट्रीय गौरव सम्मान, राष्ट्रीय चिकित्सा गौरव सम्मान -2025 से सम्मानित किया गया है।डॉ. महाराणा ने कहा कि यदि भारत सरकार आज के युवाओं की व्यक्तिगत और वर्तमान स्थिति को समझ सकती है, तो मुझे यकीन है कि वे हमारी मातृभूमि को मजबूत और महान बनाने के लिए उनकी आंतरिक शक्ति को समझकर निश्चित रूप से सभी को प्रेरित और प्रोत्साहित कर सकते हैं।माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने डॉ. महाराणा को सम्मानित करते हुए कहा, 'मुझे अत्यंत प्रसन्नता और गर्व का अनुभव हो रहा है कि राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता डॉ. विजय महाराणा योग के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न सामाजिक कल्याणकारी गतिविधियों में लगे हुए हैं, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का स्वप्न-मंच है और भारत सरकार इस नेक कार्य के लिए सर्वोत्तम प्रयास कर रही है। 'पुलिस विभाग के गृह कल्याण केंद्र के सचिव कर्नल रज़ीव वर्मा ने कहा, 'डॉ. महाराणा एक उत्साही व्यक्तित्व हैं। वे राष्ट्रीय कैडेट कोर के छात्र रहे हैं और 'एकता और अनुशासन' के महत्व को भलीभांति जानते हैं। मेरी जानकारी के अनुसार, उन्होंने गरीब कैंसर रोगियों के लिए 99 बार रक्तदान किया है। वे 'मिशन टू सक्सेस' पुस्तक के लेखक हैं। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि वे गृह कल्याण केंद्र के साथ काम कर रहे हैं। मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं। '

BMC चुनाव बांद्रा वेस्ट में कड़ा मुकाबला कांग्रेस बनाम BJP, ठाकरे बंधु

भाजपा मंत्री आशीष शेलार के सामने कड़ी चुनौती किस करवट बैठेगा ये सियासी ऊंट

मुंबई/ अकबर खान

मुंबई : BMC चुनाव 2025-26 बांद्रा वेस्ट विधानसभा क्षेत्र में म्युनिसिपल वार्ड का चुनाव स्थानीय MLA और राज्य के सांस्कृतिक मंत्री, जिले के संरक्षक मंत्री और मुंबई BJP चुनाव प्रभारी आशीष शेलार के लिए प्रतिष्ठा का सवाल है। वहां के वार्ड में BJP, ठाकरे बंधु और कांग्रेस के बीच बड़ी टक्कर हो रही है।

बांद्रा विधानसभा वार्ड फ़िल्म जगत के बड़े कलाकारों और वही मिडिल क्लास और अपर क्लास व बस्तियां, जैसे झुग्गी झोपडीयां भी शामिल हैं। चूंकि यहां ऊंचे पद वाले नागरिकों और फ़िल्म जगत के बड़े कलाकारों के घर हैं, इसलिए यहां की लड़ाइयों पर सबका ध्यान है। वार्ड नंबर 97 से 102 तक शेलार की कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा BJP उम्मीदवार जिताएं। इन छह वार्ड में से तीन में 2017 के म्युनिसिपल चुनाव में BJP उम्मीदवार जीते थे, जबकि बाकी वार्ड में इंडिपेंडेंट, कांग्रेस और

शिवसेना का एक-एक उम्मीदवार जीता था। वही 2017 के BMC चुनाव जीतने वाली हेतल गाला, अलका केरकर और स्वप्ना म्हात्रे को BJP ने फिर से उम्मीदवार बनाया है। वार्ड नंबर 97 में BJP की हेतल गाला, उद्धव सेना की ममता चव्हाण और कांग्रेस की गौरी छाबड़िया के बीच मुकाबला है। वार्ड नंबर 98 में MNS की दीप्ति काणे, BJP की अलका केरकर और वंचित के सुदर्शन येलवे मैदान में हैं। वार्ड नंबर 99 में उद्धव सेना के चिंतामणि निवाते, BJP के जितेंद्र राउत और कांग्रेस की सुनीता वेवकर के बीच मुकाबला है। वार्ड नंबर 100 में BJP की स्वप्ना म्हात्रे, उद्धव सेना की साधना वरसकर और कांग्रेस की निदा शेख मैदान में हैं। वार्ड नंबर 101 में BJP की अनुश्री घोडके, उद्धव सेना की एडवोकेट अक्षता मेनेजेस और कांग्रेस की करेन डीमेलो मैदान में हैं। वार्ड क्रमांक 102 में कांग्रेस के राजा रहबर खान, मनसे के आनंद हजारे, राकांपा (अजीत पवार) के जाहिद खान और भाजपा के नीलेश हंडगर मैदान में हैं। प्रचार जोरों पर, विपक्षी दल भी बना रहे मोर्चा वार्ड 197 से 102 में प्रचार जोर पकड़ चुका है और विपक्षी दलों ने भी अच्छा मोर्चा बना लिया है। वार्डवार बैठकें, पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की बैठकें, नागरिकों से सीधा संवाद, विकास कार्यों का श्रेय और लंबित मुद्दों पर प्रचार देखा जा रहा है। कई जगहों पर घर-घर जाकर, सोसायटियों में बैठकें, छोटी-छोटी मीटिंग और सोशल मीडिया पर प्रचार तेज हो गया है। 2. भाजपा विकास कार्यों को पेश कर रही है। दूसरी ओर विपक्ष 'नगर निगम प्रशासन और स्थानीय समस्याओं' को लेकर आक्रामक रुख अपनाए हुए है। वार्ड में जातिगत व सामाजिक समीकरणों और असंतुष्ट तत्वों का अध्ययन कर रणनीति बनाई जा रही है।

आज के युवा देश की व्यवस्था बदल सकते हैं : डॉ. बिजय महाराणा

न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रत्येक वर्ष 12 जनवरी भारत के सभी युवाओं के लिए एक शुभ अवसर है। इसे राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह स्वामी विवेकानंद की जयंती भी है।भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण मंत्रालय द्वारा इस शुभ दिवस का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में विशेष प्रतिभा रखने वाले सभी युवाओं को आमंत्रित किया गया है। यह उन युवाओं के लिए एक मंच है जो प्रतिभा में उत्कृष्ट हैं और जिन्हें भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। डॉ. बिजय महाराणा ओडिशा के क्योंझर जिले के खलियामेंटा गांव के रहने वाले हैं और वर्तमान में नेशनल यूथ अवॉर्डीज फेडरेशन ऑफ इंडिया (NYAFI) के राष्ट्रीय महासचिव हैं। डॉ. बिजय महाराणा केंद्रीय सरकार के मंत्रालय का एक जाना-पहचाना नाम हैं, जो आज के युवाओं को हमारी मातृभूमि को मजबूत और महान बनाने के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित कर रहे

हैं।आप सभी हमारे प्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के संघर्षपूर्ण जीवन से परिचित हैं। एक दिन वे रेलवे स्टेशन पर चाय बांटते थे, माननीय राष्ट्रपति अब्दुल कलाम जी सड़क पर अखबार बांटते थे, ईश्वर चंद्र विद्यासागर स्ट्रीट लाइट के नीचे बैठकर अपनी किताबें पढ़ते थे, धीरूभाई अंबानी पेट्रोल पंप पर काम करते थे और सुपरस्टार फिल्म हीरो अमिताभ बच्चन जी का संघर्ष आप जानते ही हैं। उन्होंने जीवन में वास्तविक सफलता प्राप्त करने और भारत की सर्वोच्च हस्ती बनने के लिए किस प्रकार विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष किया।डॉ. बिजय महाराणा ने भी अपने जीवन में कई संघर्ष किए हैं। वे एक अलग ही व्यक्तित्व के धनी हैं, जो अपनी कठिनाइयों के बारे में किसी से बात नहीं करते। वे मुंबई विश्वविद्यालय से योग विषय में पीएचडी की उपाधि प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हैं। अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उन्होंने मुंबई में कई कठिनाइयाँ झेलीं। एक समय ऐसा भी था जब वे डब्बावाला, स्टेशन कूलर, अखबार वितरक और कई छोटे-मोटे काम करते थे और अंततः डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की।डॉ. बिजय महाराणा वर्तमान में योग गतिविधियों को प्रेरित करने के लिए गृह कल्याण केंद्र के साथ काम कर रहे हैं।डॉ. बिजय को समाज के लिए उनके परोपकारी सामाजिक कल्याण कार्यों और लोगों को योग का अभ्यास करने के लिए प्रेरित करने हेतु (क्र) सर्वश्रेष्ठ योग शिक्षक के रूप में अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार, राष्ट्रीय युवा पुरस्कार, अंतर्राष्ट्रीय युवा पुरस्कार, डॉ. अब्दुल कलाम राष्ट्रीय पुरस्कार, भारत श्री सम्मान, राष्ट्रीय सरस्वती सम्मान, राष्ट्रीय गौरव सम्मान, राष्ट्रीय चिकित्सा गौरव सम्मान -2025 से सम्मानित किया गया है।डॉ. महाराणा ने कहा कि यदि भारत सरकार आज के युवाओं की व्यक्तिगत और वर्तमान स्थिति को समझ सकती है, तो मुझे यकीन है कि वे हमारी मातृभूमि को मजबूत और महान बनाने के लिए उनकी आंतरिक शक्ति को समझकर निश्चित रूप से सभी को प्रेरित और प्रोत्साहित कर सकते हैं।माननीय केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने डॉ. महाराणा को सम्मानित करते हुए कहा, 'मुझे अत्यंत प्रसन्नता और गर्व का अनुभव हो रहा है कि राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता डॉ. विजय महाराणा योग के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न सामाजिक कल्याणकारी गतिविधियों में लगे हुए हैं, जो माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का स्वप्न-मंच है और भारत सरकार इस नेक कार्य के लिए सर्वोत्तम प्रयास कर रही है। 'पुलिस विभाग के गृह कल्याण केंद्र के सचिव कर्नल रज़ीव वर्मा ने कहा, 'डॉ. महाराणा एक उत्साही व्यक्तित्व हैं। वे राष्ट्रीय कैडेट कोर के छात्र रहे हैं और 'एकता और अनुशासन' के महत्व को भलीभांति जानते हैं। मेरी जानकारी के अनुसार, उन्होंने गरीब कैंसर रोगियों के लिए 99 बार रक्तदान किया है। वे 'मिशन टू सक्सेस' पुस्तक के लेखक हैं। मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि वे गृह कल्याण केंद्र के साथ काम कर रहे हैं। मेरी शुभकामनाएं उनके साथ हैं। '

हिंदी का विस्तृत होता आकाश

-गिरीश्वर मिश्र
****

ज्ञान और भाषा का गहरा रिश्ता है। महान चिंतक भर्तृहरि की मानें तो भाषा के आलोक में ही दुनिया दिखती है- सर्वं शब्देन भासते। ज्ञान-सृजन, ज्ञान संरक्षण तथा अगली पीढ़ी तक ज्ञान संक्रमण का कार्य भाषा से ही हो पाता है। चिंतन और सर्जनात्मकता के लिए भाषा जरूरी है। इस तरह भाषा मानव जीवन के उत्कर्ष का साधन है जो नैसर्गिक रूप से सभी मनुष्यों को प्राप्त है। वह व्यक्ति और समाज दोनों ही स्तरों पर स्मृति और कल्पना को सुदृढ़ करती है। भारत भाषाओं की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है जहाँ हज़ार से अधिक भाषाएं विद्यमान हैं। इनमें बहुतेरी ऐसी भी हैं जो सिर्फ़ बोली जाती हैं। उनकी लिपि ही नहीं है। इस भाषिक परिवेश में भाषाओं की बहुलता से द्विभाषिकता सहज है और बहुभाषिकता भी काफी पाई जाती है। हिंदी मध्य देश में बोली जाने वाली भाषा समूह का नाम है। ऐतिहासिक रूप से हिंदी हिंद की भाषा है और समग्र देश से जुड़ी रही है। आज इसके बोलने वाले विस्तृत भू भाग में पसरे हैं और अनेक देशों में मौजूद हैं। ऐसे में हिंदी के कई कई रूप उसकी बोलियों में मिलते हैं। हिंदी भारत के लोक जीवन व्याप्त रही और देश के स्वतंत्रता संग्राम में उसकी अखिल भारतीय भागीदारी ने उसे राष्ट्रभाषा बना दिया। जनता से जुड़ने के प्रयास में हिंदी भारत में चतुर्दिक गूंजी। सहज सम्पर्क के लिए हिंदी स्वाभाविक माध्यम बनी महाराष्ट्र हो या बंगाल, कश्मीर हो या गुजरात, पंजाब हो या दक्षिण भारत हर कहीं हिंदी को अंगीकार किया गया अंग्रेज सरकार सरकारी तंत्र और शिक्षा में अंग्रेजी वर्चस्व स्थापित किया जिसके अवशेष अभी भी विद्यमान हैं। संविधान में सरकारी काम-काज की भाषा यानी 'राज भाषा ' (आफीशियल लैंग्वेज) का विचार अपनाया गया। संविधान का भाग 17 का अनुछेद 343 कहता है संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देव नागरी' होगी। राजभाषा को अपरिभाषित छोड़ दिया गया परंतु प्रशासनिक उद्देश्य से उसे जोड़ा गया। साथ ही अनुछेद 351 में हिंदी के विकास को संघ के कर्तव्य के रूप में अंकित किया गया। राजभाषा विभाग बना और हिंदी फले-फूले इसके लिए बहुत से उपक्रम शुरू हुए। राजभाषा नीति और उसके अनुपालन को लेकर धींगामुश्ती होती रही। संविधान ने आठवीं सूची नामक एक विशेष प्रावधान भी बनाया और 14 भाषाओं की सूची डाली। इस सूची का विस्तार होता रहा और अब इसमें 22 भाषाएं हैं। अभी 38 अन्य भाषाओं से गुहार है कि उनको भी शामिल कर लिया जाय हालांकि सूची में

सदस्यता का भाषा के विकास के साथ कोई कार्य कारण सम्बन्ध नहीं दिखता। 1965 तक आते आते हिंदी की राजभाषा का सवाल मुल्तवी हो गया क्योंकि वह सक्षम नहीं लगी और अंग्रेजी में कार्य करते रहने के लिए असीमित छूट ले ली गई। अंग्रेजी का वर्चस्व बना रहा। इस बीच हिंदी के संस्थानों, समितियों, पुरस्कारों, समितियों, अकादमियों, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहल होती रही। अब अनेक विश्वविद्यालयों, कार्यालयों और प्रतियोगी परीक्षाओं में हिंदी में अवसर मिल रहे हैं तथापि स्थिति पूर्णतः संतोषजनक नहीं है। मीडिया, सिनेमा, व्यापार, विज्ञापन और लोक भाषा के रूप में हिंदी आगे बढ़ रही है। भारत के बाहर मॉरिशस, गुयाना, फ़ीजी, त्रिनिदाद, दक्षिण अफ्रीका आदि अनेक देशों में भारतीय मूल के लोग वर्षों पहले पहुंचे और अपने साथ हिंदी भी ले गए। पड़ोसी देशों में भी हिंदी बोली और समझी जाती है। इसके अतिरिक्त हिंदी का पठन पाठन अनेक देशों में होता है। हिंदी की अंतरराष्ट्रीय छवि को तब विशेष बल मिला जब नागपुर में 10 जनवरी 1975 में नागपुर में विश्व हिन्दी सम्मलेन का पहली बार आयोजन हुआ। इस ऐतिहासिक पहल की स्मृति में 2006 से 'विश्व हिन्दी दिवस' मनाया जा रहा है। हिंदी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में बढ़ावा देने के संकल्प के साथ यह आयोजन शुरू हुआ था और तब से बारह ऐसे सम्मेलन भारत और अन्य देशों में हो चुके हैं। मारिशस में एक विश्व हिंदी सचिवालय तथा वर्धा में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय बना है। अन्तर राष्ट्रीय सांस्कृतिक संबंध परिषद अनेक देशों में हिन्दी के अध्ययन-अध्यापन के लिए प्राध्यापकों को उपलब्ध कराती है। हिंदी के वैश्विक प्रचार प्रसार के अनेक प्रयास हो रहे हैं। 12 वाँ विश्व हिंदी सम्मेलन फ़िजी में हुआ था। ऐसे सम्मेलनों से न केवल हिंदी को वैश्विक मंच मिला है बल्कि विश्व में अन्यत्र रहने वाले हिंदी भाषियों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करने में भी मदद मिली है। आज हिंदी भाषा संयुक्त राष्ट्र में ग़ैर आधिकारिक भाषाओं की सूची में सम्मिलित है। विश्व में अंग्रेजी और मंडारिन (चीनी) भाषाओं के बाद इसी का स्थान आता है। प्रवासी समुदाय में हिन्दी प्रचलित है, उसका उच्च कोटि का साहित्य है और अनुमानतः 60 करोड़ से अधिक लोग इसे बोलते हैं। हिंदी के प्रति जागरूकता और प्रचार प्रसार का कार्य प्रगति पर है। इस वर्ष विश्व हिंदी दिवस पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक के विकास पर केंद्रित है । आज इसे कोडिंग से लेकर डिजिटल प्लेटफार्म पर उपयोग के लिए आसान बनने का प्रयास हो रहा है। मशीन अनुवाद में बड़ी सफलता मिल रही है। कृत्रिम मेधा (एआई) के सहयोग से अपार संभावनाएं उभर रही हैं जिससे हिंदी को बड़ा आकाश मिल सकेगा। स्मरणीय है कि संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी की गूंज 4 अक्टूबर 1977 को विदेश मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के भाषण द्वारा हुई थी परंतु अभी तक आधिकारिक भाषा की सूची में नहीं आ सकी है। संयुक्त राष्ट्र में अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पेनिश, चीनी अरबी और रूसी ये आधिकारिक भाषाएँ है। स्मृति और भाषा के बीच जैसे बड़ा गहरा रिश्ता है उसी तरह स्मृति हमारी अपनी पहचान से भी जुड़ी हुई है । विश्व के अनेक देशों में फैले भारतीय मूल के लोगों का हिन्दी से लगाव और भारतीय संस्कृति के संरक्षण में रुचि इसकी पुष्टि करती है। विदेशों के कई विश्व विद्यालय हिन्दी के अध्यापन और अनुसंधान में लगे हुए हैं । हिन्दीभाषी जन-समुदाय के संख्या बल को देखते हुए एक बड़े बाजार का अवसर भी दिखता है और हिन्दी के प्रसार को बल मिलता है।

संम्पादकीय

प्रवासी और शरणार्थी

नए साल में भी दुनिया की तस्वीर स्याह ही नजर आती है। बढ़ते संघर्ष और उभरता सत्तावाद संस्थाओं को कमजोर कर रहे हैं। बढ़ती विषमता आर्थिक असुरक्षा को गहरा रही है। लेकिन सबसे अधिक हतोत्साहित करने वाली घटना 'अदर्स' यानी दूसरों के प्रति बढ़ती नफरत है। दुनिया के तमाम देशों में राजनेता प्रवासियों और शरणार्थियों को एक खतरे के रूप में पेश कर रहे हैं। यह स्थिति डब्ल्यूएच ऑडेन की कविता 'रिफ्यूजी ब्लूज' की याद दिलाती है। द्वितीय विश्व युद्ध की पूर्वसंध्या पर लिखी इस कविता में एक सार्वजनिक सभा में वक्ता चेतावनी देता है कि 'अगर हम उन्हें भीतर आने देंगे, तो वे हमारी रोजी-रोटी छीन लेंगे।' इस 'जेनोफोबिया' का उभार किसी शून्य में नहीं हो रहा है। यह एक गहरे संरचनात्मक बदलाव से प्रेरित है। हम भूल जाते हैं कि राष्ट्र-राज्य एक अपेक्षाकृत नया विचार है, जो उस समय उभरा था जब यात्राएं धीमी और सीमित हुआ करती थीं। उस दौर में दुनिया को अलग-अलग समुदायों के समूह के रूप में देखना तार्किक था। तब हर समुदाय अपने सदस्यों के कल्याण के लिए स्वयं जिम्मेदार था। इन इकाइयों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए एक साझा पहचान आवश्यक थी और इसी के लिए राष्ट्रवाद उभरा। लेकिन वैश्वीकरण ने इस व्यवस्था पर लगातार दबाव डाला है। वस्तुओं, पूंजी, सूचनाओं और लोगों की अपेक्षाकृत मुक्त आवाजाही- और उसके साथ डिजिटल क्रांति- ने कंपनियों, श्रमिकों और उपभोक्ताओं को सीमाओं के पार जुड़ने में सक्षम बना दिया है। विडंबना यह है कि यही बात आज के धुर-राष्ट्रवाद को हवा दे रही है। यह उस मॉडल को पुनर्जीवित करने का प्रयास है, जिसे दुनिया पीछे छोड़ चुकी है। हम इसे पहले भी देख चुके हैं। नस्लीय श्रेष्ठता के दावे किसी जमाने में सामान्य माने जाते थे, लेकिन आज वे त्याज्य समझे जाते हैं। लेकिन आज भी लोगों का अपने-अपने देशों को दुनिया का सर्वश्रेष्ठ बताना आम है, जबकि समय के साथ राष्ट्रीय सर्वोच्चता के ऐसे दावे भी उतने ही असभ्य और अक्षम्य प्रतीत होंगे। इस बदलाव की रूपरेखाएं दशकों पहले ही दिखाई देने लगी थीं। 1992 में प्रकाशित अपनी पुस्तक 'द ट्वाइलाइट ऑफसॉवरेन्टी' में वॉल्टर रिस्टन ने भविष्यवाणी की थी कि राष्ट्रीय सरकारें धीरे-धीरे अपनी प्रासंगिकता खो देंगी। उनके अनुसार, हमारा सामूहिक भविष्य लगातार उन लोगों के हाथों में जा रहा है, जो दूरसंचार और कंप्यूटरों के जरिये पूरे ग्रह को जोड़ रहे हैं और उन बैंकरों के हाथों में भी, जो वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक ढांचे के माध्यम से पूंजी का लेनदेन करते हैं। जैसे एक न्यायपूर्ण दुनिया के निर्माण के लिए दासता और नस्लीय श्रेष्ठता की अस्वीकृति आवश्यक थी, उसी तरह आने वाले समय में राष्ट्रवाद के अहंकार को त्यागना भी अनिवार्य हो सकता है। रबींद्रनाथ ठाकुर बार-बार सीमाओं से मुक्त दुनिया की कल्पना करते रहे थे। 1917 के एक निबंध में उन्होंने तर्क दिया था कि भले ही राष्ट्र-राज्य एक व्यावहारिक आवश्यकता बना रहे, लेकिन हमें अंततः उस दिन की आकांक्षा करनी चाहिए जब हमारी प्राथमिक पहचान केवल 'मानव' हो। पं. नेहरू ने भी इस दृष्टि की शक्ति को पहचाना था।

एआई मॉडल और कॉपीराइट कंटेंट के दुरुपयोग का सवाल

-ललित गर्ग-
****

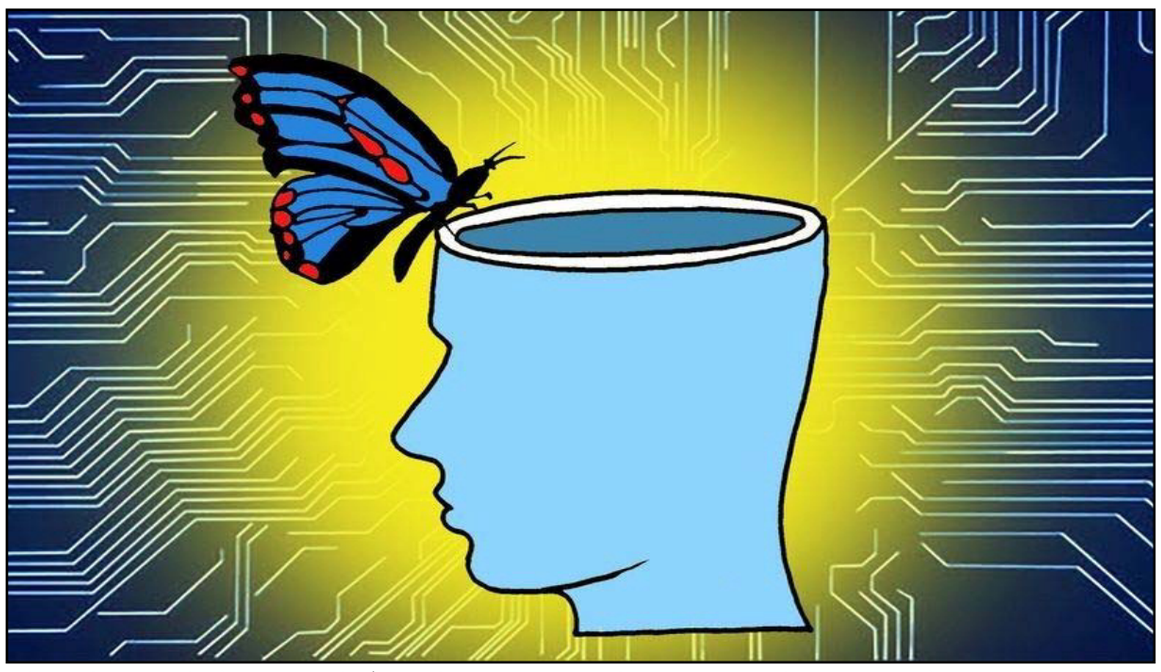

जैसे ही साल खत्म हो रहा था, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने 'जेनरेटिव एआई एंड कॉपीराइट' पर एक कार्यपत्र प्रकाशित किया। यह अप्रैल, 2025 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में कॉपीराइट सुरक्षा के जटिल सवाल की जांच के लिए गठित की गई एक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट है, और इसके निष्कर्षों से निकट भविष्य में कॉपीराइट और जेनरेटिव एआई के संबंध में भारत की आधिकारिक नीति का आधार बनने की सर्वाधिक संभावना है। जेनरेटिव एआई उत्पाद जैसे कि चैटजीपीटी, जेमिनी, परप्लेक्सिटी इत्यादि लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) हैं, जो यूजर्स द्वारा दिए गए प्रॉम्पट्स (निर्देश) के आधार पर कंटेंट उत्पन्न करके देते हैं। मसलन, कोई व्यक्ति चैट जीपीटी को कहे कि आरके नारायण या मुंशी प्रेमचंद की शैली में एक लघु कहानी लिखकर दो, और वह उसे उत्पन्न कर दे। इसी तरह, डाल-ई, मिडजर्नी (और इस जैसे टेक्स्ट-टू-इमेज और टेक्स्ट-टू-वीडियो जेनरेशन मॉडल) दिए गए विषय पर पेंटिंग बनाकर पेश कर सकते हैं, जिसके लिए निर्देश दिए जाएं कि इनकी शैली जैमिनी रॉय या एमएफ हुसैन जैसी हो। या फिर सत्यजीत रे की शैली में एक लघु फिल्म क्लिप बनाने को कहा जाए। जेनरेटिव एआई मॉडल से उत्पन्न होने वाली सामग्री उनके प्रशिक्षण पर आधारित होती है, जिसमें विभिन्न प्रकार के स्रोत (जैसे नारायण के उपन्यास या हुसैन और अन्य की पेंटिंग) से प्राप्त डेटा का उपयोग किया जाता है। एआई मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए उपयोग किया

जाने वाला डेटा विभिन्न श्रेणियों वाला हो सकता है- कॉपीराइटेड, कॉपीराइट-समाप्त और सार्वजनिक डोमेन में 'उचित उपयोग' की अनुमति वाला उपलब्ध डेटा। जब से प्रौद्योगिकी फर्मों ने जेनरेटिव एआई उत्पादों के व्यावसायिक संस्करण लॉन्च किए हैं, किताबों, शोधपत्रों, तस्वीरों, फिल्मों और रचनात्मक अभिव्यक्तियों के विभिन्न रूपों जैसी कॉपीराइटेड सामग्री में उनके उपयोग का सवाल एआई बहस का केंद्र बन गया है। इसने जटिल कानूनी, नैतिक और औचित्य संबंधी प्रश्न खड़े कर दिए। एक और अनसुलझा मुद्दा एआई-जनित आउटपुट की कॉपीराइट-योग्यता और लेखक का अधिकार है।कई देशों में सरकारें और अदालतें इस नए चलन - एआई मॉडल का डेटा प्रशिक्षण- से निपटने के लिए जूझ रही हैं। भारत सहित दुनियाभर की प्रौद्योगिकी कंपनियों की दलील है कि एआई मॉडल कॉपीराइट कानूनों का उल्लंघन नहीं करते क्योंकि वे कॉपीराइटेड किताबों, तस्वीरों आदि की नकल या साहित्यिक चोरी नहीं कर रहे हैं, बल्कि केवल अलग डेटासेट के रूप में एल्गोरिद्म को प्रशिक्षित करने के लिए पैटर्न, शैलियों, संरचनाओं का उपयोग करके सांख्यिकीय संबंध के संदर्भ में उन्हें नई सामग्री उत्पन्न करने में सक्षम बनाने को कर रहे हैं। उनका दावा है कि यह रचनात्मक कार्यों का 'उचित उपयोग' वाले सर्वमान्य सिद्धांत के अनुरूप है।यह तर्क देना कि एआई मॉडल मूल कामों की 'नकल' नहीं कर रहे, बल्कि उनसे सिर्फ़ 'सीख' रहे हैं, सही नहीं। क्योंकि एक एआई सिस्टम को प्रशिक्षित करने की प्रक्रिया में कई चरण होते हैं, जिसमें डेटा (मूल सामग्री) की कॉपी करना और स्टोर करना शामिल है, जो वस्तुतः कॉपीराइट का उल्लंघन है। जबकि एआई उद्योग का कहना है कि इसे 'तकनीकी उल्लंघन' माना जा सकता है, कानूनी नहीं। यह धारणा खारिज करते हुए कि किसी कॉपीराइट लाइसेंसिंग की ज़रूरत नहीं, दुनिया के दूसरे हिस्सों में इस पर चल रही चर्चा या लागू किए जा चुके अलग-अलग मॉडलों का अध्ययन करने के बाद, विशेषज्ञ समिति ने भारत के लिए हाइब्रिड फ्रेमवर्क की सिफारिश की है। इसने एआई डेवलपर्स को एआई सिस्टम को प्रशिक्षित करने में कानूनन एक्सेस किए गए कॉपीराइट-सुरक्षित कामों के इस्तेमाल के लिए एक ब्लैंकेट लाइसेंस दिए जाने का सुझाव दिया है, बशर्ते कॉपीराइट धारकों को रॉयल्टी का भुगतान किया जाए। लेकिन अधिकार धारकों के पास एआई सिस्टम को प्रशिक्षित करने में अपने कामों का इस्तेमाल करने से रोकने का विकल्प नहीं होगा।अधिकार धारक संगठनों की उपस्थिति और सरकार द्वारा नामित एक केंद्रित नॉन-प्रॉफिट संस्था एआई डेवलपर्स से पेमेंट उगाहने के लिए ज़िम्मेदार होगी। इस संस्था में कॉपीराइट सोसायटी और उद्योग संगठन इसके सदस्य होंगे, और निजी रचनाकारों तक रॉयल्टी पहुंचाने के काम के लिए इस प्रकार के सदस्य-संगठन ज़िम्मेदार होंगे। कॉपीराइट सामग्री से प्रशिक्षित कर बने एआई सिस्टम से कमाई का एक निश्चित प्रतिशत बतौर रॉयल्टी देय होगा और दरें एक सरकारी समिति तय करेगी।तकनीक विकसित करने वाली कंपनियों का तर्क है कि रचनात्मक कामों के उपयोग को नियंत्रित करना व लाइसेंसिंग को अनिवार्य बनाने के लिए नए कॉपीराइट कानून लागू करना तकनीकी नवाचार में बाधा डालेगा। वे एआई मॉडल को प्रशिक्षण मुमकिन बनाने को कॉपीराइट कानूनों में टेक्स्ट और डेटा माइनिंग (टीडीएम) को छूट देने की मांग करते हैं। उद्योग संस्थानों के प्रतिनिधि, नैसकॉम, ने विशेषज्ञ कमेटी में इसकी सिफारिशों से असहमति जताई। एआई मॉडल से कमाई पर आधारित कॉपीराइट सिस्टम के बजाय वह कॉपीराइटेड कंटेंट का इस्तेमाल करने को एक लेयर्ड सिस्टम चाहता है। नैसकॉम ने सुझाव दिया कि टीडीएम के लिए सार्वजनिक उपलब्ध अपने काम का इस्तेमाल रोकने की जिम्मेवारी राइट्स होल्डर्स की थी, और इसके लिए, उन्हें अपने काम की उपलब्धता के समय 'ऑप्ट आउट' का विकल्प दिया जाए। जो कंटेंट सार्वजनिक उपलब्ध नहीं, उसके लिए राइट्स होल्डर्स कॉन्ट्रैक्ट या लाइसेंस शर्तों के ज़रिए अपने हकों की रक्षा कर सकते हैं। ये सब अधिकारधारकों पर अपने काम की रक्षा का जिम्मा डालता है, जो मौजूदा हालात में होना बेहद मुश्किल है क्योंकि कॉपीराइट का खुलेआम उल्लंघन जारी है व संरक्षित सामग्री अवैध रूप से ऑनलाइन उपलब्ध है। तकनीक निर्माण कंपनियों ने ऑनलाइन उपलब्ध लाखों किताबों से डेटा पहले ही कॉपी कर लिया। इस परिदृश्य में 'ऑप्ट आउट' ऑप्शन भी अव्यावहारिक लगता है।

आज का राशिफल

राशि	फल	राशि	फल
मेष	निकट संबंधों में शंकाओं को हावी न होने दें। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति होने के आसार बनेंगे। नौकरी का वातावरण सुखद होगा। सगे-संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।	मिथुन	संबंधों में कटु वचनों का प्रयोग न करें। माता के स्वास्थ के प्रति सचेत रहें। अच्छे कायरे द्वारा प्रशंसा के पात्र बनेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा।
वृषभ	आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। अवरोधित कार्य हल होंगे। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी।	कर्क	बीती बातों को भूलने की कोशि करें। रोजगार में कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे। भौतिक इच्छाएं बलवती होंगी। अभिभावकों के भावनात्मक सहयोग से उत्साह में वृद्धि होगी।
सिंह	नकारात्मक चिंताओं का त्याग करें। महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। वर्तमान में आपको सकारात्मक सोच के साथ सकारात्मक दिशा में प्रयास करना चाहिए।	तुला	महत्वाकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरें में अत्याधिक व्यय का योग है। कार्यक्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। परिवार में सुखद स्थिति प्रसन्नता लाएगी।
कन्या	किसी नये कार्य की ओर आपका रुझान बढ़ेगा। किसी महत्वपूर्ण फैसले के लिए मन केंद्रित होगा। नवीन योजनाओं द्वारा प्रगति होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।	वृश्चिक	परिश्रम का समुचित लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। महत्वपूर्ण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।
धनु	मन सुंदर कल्पनाओं से प्रभावित रहेगा। नये संबंधों के प्रति निकटता बढ़ेगी। उपस्थित साधनों में सन्तुष्ट व तृप्त होने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।	कुंभ	राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा। अच्छे कायरे के लिए प्रशंसनीय होंगे। शासन-सत्ता से लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा।
मकर	विभागीय परिवर्तनों से कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने अन्दर धैर्य व वाणी में मधुरता लावें। कुछ नई अभिलाषाएं मन में जागृत होंगी। प्रियजनों का सनिध्य प्राप्त होगा।	मीन	आवेश में किये गये कार्य से कष्ट संभव। भावनात्मक समस्याओं पर सगे-संबंधियों के बीच खुलकर बात करें। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे।

विकसित भारत के लिए युवा नेतृत्व का सशक्तिकरण

डॉ. मनसुख मांडविया
****

भारत की विकास कथा उन लोगों द्वारा लिखी जाएगी, जो आज इसके विचारों को स्वरुप दे रहे हैं। पूरे देश में, युवा भारतीय इस बारे में गहराई से सोच रहे हैं कि भारत कैसे तेज़ी से आगे बढ़ सकता है, कैसे बेहतर शासन कर सकता है और किस प्रकार 2047 तक विकसित देश बन सकता है। उनके विचार विश्वविद्यालय परिसरों और समुदायों, स्टार्ट-अप और खेल के मैदानों, कक्षाओं और गांव की बैठकों में उभरकर सामने आ रहे हैं। वास्तविक सवाल अब यह नहीं रहा कि क्या युवाओं के पास योगदान देने के लिए कुछ है, बल्कि यह है कि क्या उनके विचारों को राष्ट्र की दिशा को प्रभावित करने के लिए एक सशक्त मंच दिया जा रहा है। विकसित भारत युवा नेता संवाद (वीबीवाईएलडी) को ऐसा ही मंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। आज भारत में विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी निवास करती है। इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि राष्ट्र के भविष्य की दिशा केवल नीतियों या संस्थाओं से नहीं, बल्कि इसके युवा नागरिकों की कल्पना, दृढ़ विश्वास और साहस से निर्धारित होगी। विशाल युवा शक्ति का यह भंडार केवल जनसांख्यिकीय लाभ नहीं है; यह भारत की सबसे बड़ी राष्ट्रीय परिसंपत्ति है, जो नवाचार को गति देने, लोकतंत्र को मजबूत करने तथा देश को समावेशी और सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाने में सक्षम है। भारत की युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को मजबूत उद्देश्य और संभावना से मार्गदर्शन मिलता है। आज का युवा केवल व्यक्तिगत उन्नति से प्रेरणा प्राप्त नहीं करता है; वह जिम्मेदारी उठाने और सार्थक प्रभाव डालने की इच्छा से भी प्रेरित होता है। वे ऐसे रास्तों की खोज करते हैं, जहां उनकी रचनात्मकता, समाधानों में बदल सके, उनकी ऊर्जा नेतृत्व में और उनकी महत्वाकांक्षा सेवा में परिवर्तित हो सके। युवा मामले और खेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, मुझे विभिन्न पृष्ठभूमियों में - जैसे विश्वविद्यालय परिसरों में, ग्रामीण जिलों में, खेल मैदानों में और युवा नेतृत्व वाली सामुदायिक पहलों में - युवा भारतीयों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला है। जो चीज़ हमेशा स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, वह यह है कि युवा लोग देश के भविष्य के बारे में कितनी गंभीरता से सोचते हैं। मुझे वह मौका याद है जब मैं ग्रामीण युवा स्वयंसेवकों के एक समूह से मिला, जिन्होंने अपने गाँवों में अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों का आयोजन किया था। सीमित संसाधनों के बावजूद, दृढ़ विश्वास के साथ, वे शिक्षा और कौशल विकास की कमियों का स्थानीय रूप से डिज़ाइन किए गए उपायों के माध्यम से समाधान कर रहे थे। उनके विचार व्यावहारिक थे, जमीनी वास्तविकताओं से जुड़े थे और जिम्मेदारी की स्पष्ट भावना से संचालित थे। इस तरह के अनुभव एक सरल सच्चाई की पुष्टि करते हैं- जब युवा लोगों पर भरोसा किया जाता है और उन्हें स?थान दिया जाता है, तो वे केवल भाग नहीं लेते, बल्कि नेतृत्व करते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से आह्वान किया था कि ऐसे एक लाख युवाओं को सार्वजनिक जीवन में लाया जाना चाहिए, जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि न हो। प्रधानमंत्री की इसी भावना से प्रेरित होकर जनवरी 2025 में %विकसित भारत युवा नेता संवाद% कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें राष्ट्रीय युवा महोत्सव की परिकल्पना पूरी तरह से नए प्रारूप में की गयी है। प्रतिक्रिया अभूतपूर्व रही। विकसित भारत चुनौती के माध्यम से 30 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया, दो लाख से अधिक निबंध प्रस्तुत किए गए और हजारों युवाओं ने राज्य स्तर पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस आयोजन का समापन दिल्ली के भारत मंडपम में हुआ, जहां 3,000 युवा नेताओं को प्रधानमंत्री के साथ खुलकर संवाद करने का अवसर मिला, जिन्होंने कई घंटों तक उनके विचार सुने और उन्हें नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया। संख्याओं से परे, सहभागिता की प्रकृति ने इस संवाद को वास्तव में ऐतिहासिक बनाया। इसने मान्यता दी कि भारत की युवा शक्ति के विचार 2047 के भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण हैं। युवा प्रतिभागियों को राष्ट्रीय चुनौतियों के बारे में गंभीरता से सोचने, समाधान प्रस्तुत करने और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को साझा उद्देश्य के साथ जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे आकांक्षा और क्रियान्वयन के बीच का अंतर समाप्त हो गया। विकसित भारत युवा नेता संवाद की ताकत केवल इसके पैमाने में नहीं, बल्कि इसके डिज़ाइन में है। विचार, भाषा, संस्कृति और अनुभव की विविधता इस पहल की संरचना में निहित है। शहरी और ग्रामीण भारत के युवा, छात्र और पेशेवर, नवोन्मेषी और जमीनी नेता एक मंच साझा करते हैं। कई स्तरों की भागीदारी सुनिश्चित करती है कि संवाद और आदान-प्रदान के माध्यम से विचार परिष्कृत होंगे, न कि भौगोलिक, भाषा या पृष्ठभूमि के कारण विचारों को छांट दिया जाएगा। ऐसा करके, संवाद सुनिश्चित करता है कि भाग लेने वाले हर युवा के पास अपनी बात को रखने का अवसर है और उसे विस्तार देने का एक मंच भी है। भारत के युवाओं ने हमेशा देश के निर्णायक क्षणों में मुख्य भूमिका निभाई है, स्वतंत्रता संग्राम से लेकर स्वतंत्र भारत के संस्थानों के निर्माण तक। हर मोड़ पर, युवा भारतीय साहस, विश्वास और नेतृत्व करने की इच्छा के साथ आगे बढ़े हैं। केवल भागीदारी के लिए नहीं, बल्कि भारत की विकास कहानी के साझा-निर्माण का नेतृत्व करने और इसे गति देने के लिए, आज, राष्ट्र फिर से अपने युवाओं की ओर देख रहा है। 2047 में विकसित भारत का विज़न केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण जिम्मेदारी, तकनीकी मार्गदर्शन और समावेशी विकास की भी मांग करता है। इन जटिल चुनौतियों के लिए ताजा सोच, अनुकूलन क्षमता और अभिनव को अपनाने की योग्यता की आवश्यकता है- ये गुण भारत की युवा शक्ति में प्रबल रूप से मौजूद हैं। पहली ऐतिहासिक संस्करण की शानदार सफलता के आधार पर, वीबीवाईएलडी2026, जो 9-12 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा, राष्ट्रीय युवा सम्मेलन से एक ऐसे मंच की ओर निर्णायक छलांग का संकेत देता है जिसकी प्रतिध्वनि वैश्विक है।

दैनिक महाराष्ट्र समाचार मालिक मुद्रक प्रकाशक व संपादक अकबर खान प्लॉट नं 302, वी पी वर्डे रोड ए, आर ऑटो वर्क्स लिंकिंग रोड सिनेमा बांद्रा वेस्ट मुंबई -400050 महाराष्ट्र मोबाइल नंबर 9152073782. प्राचीन प्रिंट प्राइवेट लिमिटेड गाला नं:13 मकबा बिल्डिंग नियर एस ब्रिज एन एम जोशी मार्ग भैकला वेस्ट मुंबई- 400027. किसी भी सूरत में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

BMC चुनाव को लेकर राजनीतिक लड़ाई तेज

महायुती वॉर्ड क्र.99 अधिकृत उमेदवार जितेंद्र राऊत उतरे चुनावी मैदान मे

मुंबई / अकबर खान

मुंबई : बांद्रा पश्चिम मे चुनावी माहौल साफ महसूस किया जा सकता है। कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी), भारतीय जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी बहुजन समाजवादी पार्टी तक, विभिन्न दलों के उम्मीदवारों की तस्वीरों वाले टेम्पो और वार्ड नंबर 99 की तस्वीर कुछ बदलने वाली है

द्य हर राजनीती दल अपने प्रत्याशी को जितने के लिए एड़ी छोटी का ज़ोर लगा रहा है द्य चारों ओर फैली हलचल के अनुरूप, रविवार को सुबह लगभग 7 बजे वार्ड क्र. 99 से भाजपा प्रत्याशी जितेंद्र राऊत की जनसभा की चहल-पहल से माहौल बदल गया। महिलाओं, बच्चों और पार्टी कार्यकर्ताओं का एक समूह बीजेपी झंडा हाथ मे लिए इकट्ठा हुआ। बीजेपी की टोपी, तख्तियां, कलाईपट्टियां और भगवा शॉल पहने हुए, यह समूह वार्ड संख्या 99 से बीजेपी उम्मीदवार जितेंद्र राऊत के उनके साथ शामिल होने पर उत्साह से भर उठा। नारों और बीजेपी के झंडों की विशालता के बीच, जितेंद्र राऊत ने रविवार को गझधर बांध के क्षेत्र की संकरी गलियों से गुजरते हुए अपने चुनाव प्रचार मे लगे।

'लैंड फॉर जॉब' स्कैम में लालू के खिलाफ आरोप तय किए जाने राजद हमलावर, कहा

सत्ता का किया जा रहा दुरुपयोग : सुधाकर सिंह

पटना, 11 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह ने लालू प्रसाद यादव के खिलाफ 'लैंड फॉर जॉब' स्कैम में आरोप तय किए जाने पर प्रतिक्रिया दी है। रविवार को उन्होंने कहा कि यह सत्ता का दुरुपयोग है। एक राजनीतिक दल को तबाह करने के लिए सरकार हथकंडे अपनाती है।

सुधाकर सिंह ने कहा, 'हर दो-तीन साल में नए मुकदमे दर्ज कर दिए जाते हैं। इस 'लैंड फॉर जॉब' स्कैम में अब तीसरी चार्जशीट दायर की गई है। जब पहली चार्जशीट दायर की गई थी, तो हमारे नेताओं को बरी कर दिया गया था। दूसरी चार्जशीट भी दायर की गई थी और एक बार फिर हमारे नेताओं को बरी कर दिया गया। अब यह उसी मामले में तीसरी चार्जशीट है। आप देखेंगे कि हर बार जब मामले की सुनवाई होती है, तो कोर्ट उसे सुनता है और फिर उन्हें बरी कर देता है।'

आज कोई भी देश भारत के साथ खड़ा नहीं दिख रहा

सुधाकर सिंह ने कहा, 'मोहन भागवत के बयान से साफ है कि वह मौजूदा सरकार से बहुत असंतुष्ट हैं। उनके पाले-पोसे और आगे बढ़ाए गए भाजपा नेताओं के अब दुनिया में कहीं भी कोई सार्थक संबंध या हैसियत नहीं दिखती। आज कोई भी देश भारत के साथ खड़ा नहीं दिख रहा है। विदेश नीति निचले स्तर पर है, जहां प्रधानमंत्री का भी कोई सम्मान नहीं रहा है।'

राजद सांसद ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नेताओं के बयान, खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति या नाटो देश के राष्ट्राध्यक्ष, लगातार प्रधानमंत्री के विरुद्ध बात करते हैं।

धार्मिक स्थल पर लोग स्वाभाविक रूप से आते जाते हैं

राजद सांसद ने राम मंदिर में एक कश्मीरी व्यक्ति के घुसने की घटना को 'छोटी बात' करार दिया। उन्होंने कहा, 'ये छोटी-मोटी बातें हैं। धार्मिक स्थल आस्था के केंद्र होते हैं, जहां लोग स्वाभाविक रूप से आते हैं और हम भी वहां जाते हैं। जब भी हम तीर्थयात्रा पर जाते हैं, तो हम उस देश की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का अनुभव करते हैं। अगर कोई हिंदू बनना चाहता है या हिंदू धार्मिक स्थलों पर पूजा करने आता है तो इसमें अपमान या सुरक्षा को खतरे की बात कहां से आती है?'

उन्होंने कहा, 'अगर कोई व्यक्ति आए और स्थल को तोड़ दे, अपमान वह होता है, लेकिन अगर कोई व्यक्ति मंदिर प्रांगण में आकर पूजा करे तो उसमें आपत्ति कैसे हो सकती है?'

सार संक्षेप

उत्तर प्रदेश में मतदाताओं के लिये 'बुक ए कॉल विथ बीएलओ' सेवा शुरु

कानपुर। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार उत्तर प्रदेश में मतदाताओं की सुविधा के लिए 'बुक-ए-कॉल विथ बीएलओ' सेवा प्रारंभ की गई है। इस सेवा का उद्देश्य मतदाता सूची से संबंधित कार्यों में मतदाताओं को सीधे और समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराना है, जिससे प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद बन सके। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए मतदाता निर्वाचन आयोग के आधिकारिक वोटर पोर्टल https://voters.eci.gov.in अथवा ECINET App पर लॉगिन कर सकते हैं। लॉगिन के पश्चात 'Book a Call with BLO' विकल्प के माध्यम से अपनी पहचान संबंधी विवरण भरकर कॉल बुक करने का अनुरोध दर्ज किया जा सकता है।

15 फरवरी को फार्मेसियां बंद, ड्रग ट्रैफिकिंग पर पुलिस की नाकामी के खिलाफ हड़ताल

चेन्नई। तमिलनाडु के फार्मासिस्ट और ड्रगिस्टों ने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए 15 फरवरी को पूरे राज्य में एक दिन की हड़ताल की घोषणा की है। इस दौरान सभी फार्मेसियां बंद रहेंगी, जिससे मरीजों के लिए दवाइयों की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। यह फैसला नमक्कल में तमिलनाडु केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स एसोसिएशन (टीएनसीडीए) की राज्य स्तरीय सलाहकार बैठक के बाद लिया गया। एसोसिएशन के राज्य जनरल सेक्रेटरी के.के. सेल्वम ने बैठक के बाद मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा, 'हम तमिलनाडु सरकार को सभी प्रकार के टैक्स चुकाते हैं, जिसमें ड्रग लाइसेंस, प्रॉपर्टी टैक्स और कचरा टैक्स शामिल हैं। इसलिए हमें लोकल बॉडीज द्वारा लगाए जाने वाले प्रोफेशनल टैक्स और ट्रेड लाइसेंस से छूट मिलनी चाहिए।'

सीएम नीतीश ने ऐतिहासिक गोलघर परिसर का लिया जायजा

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को पटना के ऐतिहासिक गोलघर परिसर का भ्रमण किया और अधिकारियों को कई निर्देश दिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भ्रमण के दौरान गोलघर परिसर पार्क, गोलघर के स्ट्रक्चर की स्थिति, लाइट एंड साउंड एवं लेज़र शो आदि का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से इसके सौंदर्यीकरण एवं इसके रखरखाव को अच्छे ढंग से कराने के निर्देश देते हुए कहा कि इसकी खूबसूरती बढ़ने से यह स्थल देखने में मनोरम लगेगा, जिससे पर्यटक भी बड़ी संख्या में यहां पहुंचेंगे। गोलघर में इन दिनों सौंदर्यीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है, जिसकी प्रगति का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री स्वयं मौके पर पहुंचे।

'परीक्षा पे चर्चा' रजिस्ट्रेशन संख्या 4.46 करोड़ के पार पहुंची

संवाद में पढ़ाई, समय के सही उपयोग, एकाग्रता और सकारात्मक सोच जैसे विषयों पर चर्चा होगी

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संग 'परीक्षा पे चर्चा' 2026 में शामिल होने के लिए अब तक करीब साढ़े चार करोड़ लोग अपना रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। परीक्षाओं से जुड़े प्रधानमंत्री के इस संवाद कार्यक्रम के लिए रजिस्ट्रेशन अभी भी जारी है। शिक्षा मंत्रालय ने इस राष्ट्रीय संवाद में प्रधानमंत्री के साथ जुड़ने के लिए छात्रों, शिक्षकों व अभिभावकों को आमंत्रित किया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस संवाद में पढ़ाई, समय के सही उपयोग, एकाग्रता और सकारात्मक सोच जैसे विषयों पर चर्चा होगी। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार कक्षा 6 से कक्षा 12 के सभी विद्यार्थी इसमें शामिल हो सकते हैं। इसके साथ ही अभिभावक और शिक्षक भी इसमें भाग ले सकते हैं।

■ संवाद कार्यक्रम के लिए रजिस्ट्रेशन अभी भी जारी

मंत्रालय के मुताबिक रविवार 11 जनवरी तक 4 करोड़ 46 लाख 75,068 लोगों ने परीक्षा पे चर्चा का हिस्सा बनने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया है। शिक्षा मंत्रालय ने देशभर के छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि वे परीक्षा पे चर्चा से जुड़ें और इस संवाद का हिस्सा बनें। रजिस्ट्रेशन करवाने वालों में सबसे अधिक संख्या छात्रों की है। पंजीकरण कराने वाले कुल व्यक्तियों में से 4 करोड़ 15 लाख 94,744 छात्र हैं।

रजिस्ट्रेशन करवाने वाले ये छात्र देश-दुनिया के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी हैं। वहीं 24 लाख 71 हजार 103 शिक्षकों ने भी ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाया है। इनके अलावा अभी तक 6 लाख 9 हजार 221 अभिभावकों ने भी अपना पंजीकरण कराया है। शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि देश के करोड़ों छात्रों के लिए 'परीक्षा पे चर्चा' एक बहुप्रतीक्षित संवाद कार्यक्रम है। यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विद्यार्थियों से सीधे संवाद करेंगे।

व्हिसल ब्लोअर रजनीकांत बोरेले का हुआ सम्मान

दत्तात्रेय मारावार के 85 वें जन्मदिन पर हुआ विशेष आयोजन

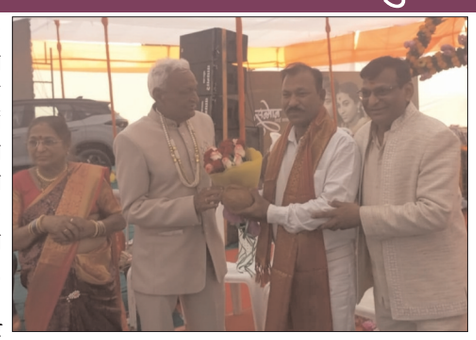

महाराष्ट्र/ संवाददाता पांढरकवडा : प्रसिद्ध व्हिसल ब्लोअर और कृषि उत्पन्न बाजार समिति के अपक्ष संचालक रजनीकांत बोरेले का सम्मान घाटंजी में आयोजित एक भव्य समारोह में किया गया। यह आयोजन घाटंजी के प्रतिष्ठित नागरिक दत्तात्रेय जनार्दन मारावार के 85 वें जन्मदिन के शुभ अवसर पर संत गजानन महाराज इंग्लिश मीडियम स्कूल, पांढुर्णा रोड पर संपन्न हुआ।

जन्मदिन समारोह में विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति

दत्तात्रेय मारावार के जन्मदिन का कार्यक्रम सादगी और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और औद्योगिक क्षेत्र से जुड़ी कई जानी-मानी हस्तियां मौजूद रहीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाएं और नागरिक भी शामिल हुए।

रजनीकांत बोरेले को शॉल,श्री फल, फूलो का गुलदस्ता और विशेष भेट वस्तु देकर किया सम्मानित

जन्मदिन समारोह के दौरान आरटीआई कार्यकर्ता रजनीकांत डालूरामजी बोरेले ने दत्तात्रेय मारावार से भेंट कर उन्हें शुभेच्छाएं दीं और उनके दीर्घायु जीवन की कामना की।

इस अवसर पर भाजपा नेता आकाश दत्तात्रेय मारावार तथा उनकी माता कांचनमाला मारावार और पिता के हाथों रजनीकांत बोरेले को शॉल, नारियल, फूलों का गुलदस्ता और विशेष भेटवस्तु देकर सम्मानित किया गया।

शतायु होने की कामना, भविष्य के लिए शुभेच्छाएं

सम्मान के दौरान रजनीकांत बोरेले ने दत्तात्रेय मारावार को शतायु होने की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके शताब्दी वर्ष के जन्मदिन समारोह में शामिल होने का अवसर उन्हें अवश्य दिया जाए।

राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों की मौजूदगी

इस कार्यक्रम में चंद्रपुर के पूर्व मंत्री एवं विधायक सुधीर मुनगंटीवार, विधायक राजू नारायणजी तोडसम और प्रिया राजू तोडसम, पूर्व विधायक संदीप सुधाकरजी धुर्वे सहित अनेक राजनीतिक, सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र के प्रतिष्ठित नागरिक उपस्थित रहे।

मारावार परिवार का आभार व्यक्त

सम्मान एवं आमंत्रित हेतु रजनीकांत बोरेले ने भाजपा नेता आकाश मारावार सहित पूरे मारावार परिवार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार का सम्मान समाज में सकारात्मक कार्य करने की प्रेरणा देता है।

स्टालिन ने मोदी से श्रीलंकाई तमिलों के अधिकारों की रक्षा का किया आग्रह

चेन्नई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से श्रीलंका में रह रहे श्रीलंकाई तमिलों के अधिकारों की रक्षा का आग्रह किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री से श्रीलंका के अधिकारियों के साथ कूटनीतिक बातचीत करने का आग्रह किया ताकि तमिलों की शिकायतों का समाधान हो सके और उन्हें उनका प्राकृतिक और मौलिक अधिकार मिलें।

■ स्टालिन ने मोदी को एक पत्र लिखकर ध्यान इस ओर दिलाया

मुख्यमंत्री ने श्री मोदी को लिखे एक पत्र में श्रीलंका में तमिल समुदाय के हितों और राजनीतिक अधिकारों से संबंधित गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उनका ध्यान इस ओर दिलाया और कहा कि उन्हें विस्तृत सुझाव हैं जो श्रीलंका में चल रहे संवैधानिक सुधारों से श्रीलंकाई तमिल समुदाय के सामने आने वाले गंभीर खतरों को उजागर करते हैं।

उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु एक राज्य के तौर पर गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक संबंधों के कारण श्रीलंका में तमिलों के अधिकारों और आकांक्षाओं को बनाए रखने में सबसे आगे रहा है।

श्री स्टालिन ने कहा, 'तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में भारत और श्रीलंका के सम्मानित तमिल नेताओं के सुझावों के आधार पर श्रीलंका के प्रस्तावित नए संविधान से संबंधित मुद्दे को आपके ध्यान में लाना मेरा कर्तव्य है।' उन्होंने कहा कि श्रीलंका में वर्तमान सरकार, जिसका नेतृत्व राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके कर रहे हैं और संसद में जिनका पूर्ण बहुमत है, जातीय मुद्दों को हल करने की आड़ में एक नया संविधान पेश करने के प्रयासों में तेजी ला रही है।

तेजस्वी के बयान पर चिराग पासवान का पलटवार, बोले

वोट नहीं इनका जनाधार चोरी हुआ

पटना, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने कहा कि पूरा देश कह रहा है कि हालिया बिहार चुनाव में लोकतंत्र हारा और तंत्र जीता। चिराग ने कहा कि वोट चोरी नहीं हुआ है, बल्कि इनका जनाधार चोरी हो गया है। मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि इस तरह से जनादेश का अपमान करना ही उनकी हार की वजह है। ये लोग दावा करते हैं कि 'यह लोकतंत्र नहीं बल्कि एक सिस्टम जीता है। कभी ईवीएम पर आरोप लगाते हैं, कभी एसआईआर पर दोष डालते हैं। जब ये लोग जीतते हैं तो ईवीएम ठीक होती है, लेकिन जहां हारते हैं, वहां धांधली का आरोप लगाते हैं। जब तक ये लोग बैठकर खुद पर विचार नहीं करेंगे, तब तक इनके पैरों के नीचे से जमीन खिसकती रहेगी। चिराग ने कहा कि विधानसभा के सेशन लंबे समय तक चलते हैं। तेजस्वी यादव विपक्ष के नेता हैं, फिर भी आप सेशन में नहीं रहते। आपने अपने कार्यकर्ताओं से नतीजों के बारे में बात नहीं की है। जब उनके पास कुछ कहने को होगा, तभी वे बोलेंगे। 2005 से लगातार राजद और विपक्षी दल हारते रहे हैं, अपने दम पर राजद उभरकर सामने नहीं आई।

राहुल गांधी का कल तमिलनाडु दौरा

■ सेंट थॉमस इंग्लिश हाई स्कूल के गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन में शामिल होंगे
■ औपचारिक स्वागत के अलावा कोई और कार्यक्रम तय नहीं
■ दौरे के दौरान कोई राजनीतिक कार्यक्रम या मीटिंग नहीं

चेन्नई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी 13 जनवरी को तमिलनाडु में नीलगिरी के गुडलूर में सेंट थॉमस इंग्लिश हाई स्कूल के गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन में शामिल होंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि यह दौरा पूरी तरह से औपचारिक है। राहुल गांधी ने पहाड़ी शहर में अपने छोटे से प्रवास के दौरान कोई राजनीतिक कार्यक्रम या जनसभा करने की योजना नहीं की गई हैं।

कांग्रेस पदाधिकारियों के अनुसार, राहुल गांधी दोपहर करीब 3.30 बजे मैसूर से हेलीकॉप्टर से पहुंचेंगे। स्कूल में कार्यक्रम में शामिल होने के बाद उनके 4.30 बजे तक रवाना होने की उम्मीद है। हेलीपैड पर स्थानीय कांग्रेस नेताओं द्वारा दिए जाने वाले औपचारिक स्वागत के अलावा कोई और कार्यक्रम तय नहीं किया गया है। कांग्रेस के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, 'जहां तक हमें पता है, इस दौरे के दौरान नेता का कोई राजनीतिक कार्यक्रम या मीटिंग नहीं है।'

हाल के सालों में राहुल गांधी का गुडालूर का यह दूसरा दौरा है। उन्होंने आखिरी बार सितंबर 2022 में 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान इस क्षेत्र का दौरा किया था, जब उन्होंने समर्थकों को संबोधित किया था और पश्चिमी घाट की खूबसूरत वादियों के बारे में बात की थी। उस दौरे के दौरान, वह देशव्यापी मार्च के हिस्से के तौर पर कर्नाटक की ओर अपनी यात्रा जारी रखने से पहले एक निजी स्कूल में रात भर रुके थे।

राहुल गांधी का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब तमिलनाडु में डीएमके-कांग्रेस गठबंधन राजनीतिक उथल-पुथल का सामना कर रहा है। पिछले कुछ हफ्तों में, कांग्रेस के कुछ पदाधिकारियों और चुने हुए प्रतिनिधियों ने सार्वजनिक रूप से सत्ता में ज्यादा हिस्सेदारी की मांग की है, जिससे सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर चर्चा शुरू हो गई है। कांग्रेस ने विजय की लेटेस्ट फिल्म 'जना नायकन' से जुड़े हालिया सेंसरशिप विवाद को लेकर भाजपा की आलोचना भी तेज कर दी है, यह एक ऐसा मुद्दा है जिसने राज्य में तीखी राजनीतिक प्रतिक्रियाएं पैदा की हैं।

मौसम जम्मू-कश्मीर में कड़ाके की ठंड जारी

कश्मीर के मैदानी इलाकों में अभी बर्फबारी की आस

श्रीनगर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू और कश्मीर में रविवार को भी कड़ाके की सूखी ठंड जारी रही, घाटी में रात का तापमान शून्य से कई डिग्री नीचे बना रहा। साफ आसमान में सर्दियों की हल्की धूप के साथ सूरज निकला। पानी के नल और सड़क के गड्ढों में पानी पूरी तरह जम गया था, जबकि श्रीनगर शहर की डल झील भी कुछ हिस्सों में जम गई थी।

सुबह लोग नलों के चारों ओर छोटी-छोटी आग जलाकर पानी को पिघलाते हुए देखे गए। श्रीनगर शहर में न्यूनतम तापमान माइनस 5.2 डिग्री सेल्सियस, गुलमर्ग स्की रिज़ॉर्ट में माइनस 6.2 और पहलगाम में माइनस 7.6 डिग्री सेल्सियस था।

जम्मू शहर में न्यूनतम तापमान 4 डिग्री सेल्सियस, कटरा शहर में 4.4, बटोटे में 3, बनिहाल में 7.1 और भद्रवाह में माइनस 2 डिग्री सेल्सियस रहा। जम्मू और कश्मीर, खासकर घाटी के लिए चिंताजनक स्थिति है, क्योंकि मौसम विभाग ने 20 जनवरी तक ठंडे, सूखे मौसम का अनुमान लगाया है।

अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच का अंतर भी कम हो गया है, क्योंकि शनिवार को

श्रीनगर में अधिकतम तापमान 10.9 डिग्री सेल्सियस और जम्मू शहर में 15.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

सूखे की वजह से पूरे प्रदेश में लोग चिंतित

वहीं, लगातार सूखे की वजह से पूरे केंद्र शासित प्रदेश में चिंता बढ़ गई है, क्योंकि खेती,

■ गुलमर्ग में तापमान माइनस 6.2 और पहलगाम में 7.6 डिग्री सेल्सियस तक
■ श्रीनगर शहर की डल झील भी कुछ हिस्सों में जमी

बागवानी और पीने के पानी की जरूरतें जिन सभी जल स्रोतों पर निर्भर हैं, वे 'चिल्लई कलां' कहे जाने वाले 40 दिनों की कड़ाके की ठंड के दौरान भारी बर्फबारी पर निर्भर करते हैं।

यह अहम 40 दिनों का समय पहले ही आधे से ज्यादा बीत चुका है, और घाटी के मैदानी इलाकों में इस मौसम की पहली बर्फबारी अभी तक नहीं हुई है।

चिल्लई कलां 30 जनवरी को खत्म होता है। फरवरी और मार्च में होने वाली बर्फबारी का ज्यादा असर नहीं होता क्योंकि यह जल्दी पिघल जाती है और जम्मू-कश्मीर के पहाड़ों में बारहमासी पानी के जलाशयों को भरने में मदद नहीं करती।

सूखे मौसम के कारण बीमारियां बढ़ीं

डॉक्टरों का कहना है कि ठंडे, सूखे मौसम के कारण सीने और दिल से जुड़ी बीमारियां फिर से बढ़ रही हैं। सीने और दिल से जुड़ी बीमारियों का इतिहास रखने वाले लोगों को डॉक्टरों ने ज्यादा सावधानी बरतने की सलाह दी है, और ऐसे कमज़ोर लोगों को सलाह दी गई है कि वे कड़ाके की ठंड की लहर की स्थिति में अपने घरों से बाहर न निकलें।

पहला वनडे : भारत ने न्यूजीलैंड को 4 विकेट से हराया, बनाई 1-0 से बढ़त

विराट कोहली शतक से चूके, 91 गेंदों पर बनाए 93 रन

■ राहुल और हर्षित राणा ने भारत को जीत दिलाने में भूमिका निभाई

वडोदरा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने रविवार को बीसीए स्टेडियम में खेले गए वनडे सीरीज के पहले मुकाबले को 4 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 8 विकेट खोकर 300 रन बनाए। इस टीम को डेवोन कॉनवे और हेनरी निकोल्स की जोड़ी ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने 21.4 ओवरों में 117 रन की साझेदारी की। कॉनवे 67 गेंदों में 7 बाउंड्री के साथ 56 रन बनाकर आउट हुए, जबकि निकोल्स ने 69 गेंदों में 8 चौकों के साथ 62 रन बनाए। टीम ने 126 रन तक दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे। यहां से डेरिल मिशेल ने मोर्चा संभाला।

मिशेल ने छोटी-छोटी साझेदारियां करते हुए टीम को 281 के स्कोर तक पहुंचाया। इस बीच क्रिस्चियन क्लार्क के साथ आठवें विकेट के लिए 25 गेंदों में 42 रन जुटाए। इस बल्लेबाज ने 71 गेंदों में 3 छक्कों और 5 चौकों के साथ 84 रन की पारी खेली। वहीं, क्लार्क ने 17 गेंदों में 3 चौकों के साथ नाबाद 24 रन बनाए। भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा ने 2-2 विकेट हासिल किए, जबकि कुलदीप यादव को 1 विकेट हाथ लगा। इसके जवाब में भारत ने 49 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। रोहित शर्मा और कप्तान शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने भारत को संभली हुई शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने 8.4 ओवरों में 39 रन जुटाए। रोहित 29 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 26 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद गिल ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 118 रन जुटाकर टीम को 157 के स्कोर तक पहुंचा दिया। गिल 71 गेंदों में 5 बाउंड्री के साथ 56 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद विराट कोहली ने मोर्चा संभाला।

उन्होंने श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 77 रन जुटाते हुए टीम इंडिया के स्कोर को 234 रन तक पहुंचा दिया। कोहली 91 गेंदों में 1 छक्के और 8 चौकों की मदद से 93 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अय्यर ने 47 गेंदों में 49 रन की पारी खेली। केएल राहुल और हर्षित राणा ने 29-29 रन की पारी खेलकर भारत को जीत दिलाने में भूमिका निभाई। विपक्षी खेमे से काइल जैमीसन ने सर्वाधिक 4 विकेट निकाले, जबकि आदित्य अशोक और क्रिस्चियन क्लार्क ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

पयास ने सिंड्रेला दास के साथ मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता

वडोदरा, 11 जनवरी (एजेंसियां)। पयास जैन डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज 2026 में यहां सामा इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में ट्रिपल क्राउन जीतने की कोशिश करेंगे, क्योंकि उन्होंने सिंड्रेला दास के साथ मिक्स्ड डबल्स का खिताब जीता और रविवार सुबह पुरुष सिंगल्स के फाइनल में भी पहुंच गए। वडोदरा में डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज़ का पहला एडिशन, जिसे स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ गुजरात ने पेश किया है, टेबल टेनिस एसोसिएशन ऑफ बड़ौदा द्वारा होस्ट किया जा रहा है और यूटीटी द्वारा लागू किया जा रहा है। मिक्स्ड डबल्स के फाइनल में, जैन और दास ने पहला गेम हारने के बाद वापसी करते हुए दूसरी वरीयता प्राप्त हरमीत देसाई और यशस्विनी घोरपड़े को 8-11, 11-9, 11-3, 11-6 से हराया। इससे पहले, दिल्ली में जन्मे खिलाड़ी ने पांचवीं वरीयता प्राप्त आकाश पाल को 11-5, 12-10, 11-9 से हराकर पुरुष सिंगल्स के फाइनल में जगह बनाई। पयास जैन, जो अंकुर भट्टाचार्य के साथ पुरुष डबल्स के फाइनल में भी पहुंच गए हैं, अब शीर्ष वरीयता प्राप्त मानुष शाह का सामना करेंगे, जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त स्नेहित सुरावज्जुला को 6-11, 11-9, 14-12, 11-5 से हराया। महिला सिंगल्स सेमीफाइनल में, अनुषा कुतुंबले ने सातवीं वरीयता प्राप्त सुतीर्था मुखर्जी को 12-10, 11-5, 16-14 से हराया। तीसरे गेम में, अनुषा ने अपने तीसरे मैच प्वाइंट को बदलने से पहले दो गेम प्वाइंट बचाए और कोरिया की रियू हाना के खिलाफ फाइनल मुकाबला तय किया।

मुंबई इंडियंस की किस्मत नेट साइवर-ब्रंट पर टिकी है : मिताली

■ मुंबई इंडियंस की तरफ से नेट साइवर-ब्रंट ने अर्द्धशतक लगाया

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। महिला प्रीमियर लीग 2026 का पहला मुकाबला मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच खेला गया था। इस मैच में मुंबई को हार का सामना करना पड़ा था। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सीजन के अपने दूसरे मैच में मुंबई इंडियंस ने जीत हासिल की। दोनों मैचों में मुंबई इंडियंस की तरफ से नेट साइवर-ब्रंट ने अर्द्धशतक लगाया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज ने नेट साइवर-ब्रंट को लेकर अहम बयान दिया है। जियोस्टार पर मिताली राज ने कहा कि 'नेट साइवर-ब्रंट की बात करें तो, हो सकता है कि उनके कुछ गेम अच्छे न रहे हों, लेकिन आप जानते हैं कि उनसे हमेशा एक बड़ी पारी आने वाली है। जब वह मैदान पर उतरीं, तो उन्होंने जो अप्रोच और इरादा दिखाया, उससे लगा कि वह टीम में योगदान देना चाहती हैं। उन्होंने पिछले गेम में ऐसा नहीं किया, लेकिन एक यूनिट के तौर पर, मुंबई इंडियंस को पता था कि अगर उन्हें जीत हासिल करनी है, तो उन्हें अच्छा करना होगा। मुंबई इंडियंस की किस्मत काफी हद तक उन पर टिकी है। जब वह अच्छा करती हैं, तो टीम अच्छा करती है। मिताली ने मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर पर कहा कि जब वह मैदान में उतरी, तो गेंद को अच्छी तरह से टाइम कर रही थी। उसने अपनी नजरें जमाने के लिए ज्यादा गेंदें नहीं लीं। उसने शुक्रवार को जहां छोड़ा था, वहीं से खेलना जारी रखा, जो शॉट खेले वे बहुत क्लीन थे। शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने 4 विकेट पर 195 रन बनाए थे। नेट साइवर ब्रंट ने 70 और हरमनप्रीत कौर ने नाबाद 74 रन बनाए थे। मुंबई ने यह मैच 50 रन से जीता था। आरसीबी के खिलाफ पहले मैच में नेट साइवर ब्रंट और हरमनप्रीत कौर दोनों का बल्ला नहीं चला था।

हॉकी इंडिया लीग खिताब के लिए 'एसजी पाइपर्स' ने कड़ी मेहनत की : नवनीत

रांची, 11 जनवरी (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया लीग (विमेन) का खिताब एसजी पाइपर्स ने जीत लिया है। फाइनल में, एसजी पाइपर्स ने रेगुलर टाइम में 1-1 से ड्रॉ के बाद शूटआउट में बंगाल टाइगर्स को 3-2 से हराया। टीम को चैंपियन बनाने में कप्तान नवनीत कौर की अहम भूमिका रही। वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुनी गईं। पिछले एडिशन में टीम के आखिरी स्थान पर रहने से लेकर इस सीजन में चैंपियन बनने तक की जो यात्रा रही है, उस पर नवनीत कौर ने चर्चा की। नवनीत कौर ने कहा कि खिताबी मुकाबले में हमने मुश्किल मौकों पर पूरी तरह से अपनी रणनीति पर ध्यान दिया। हमने पहले ही तय कर लिया था कि हम इसे कैसे करेंगे। हालांकि, फाइनल से पहले हम इस सीजन में दो बार शूटआउट में बंगाल टाइगर्स से हार चुके थे, लेकिन हमने इसे ध्यान में नहीं रखा। बंसरी सोलंकी ने भी बहुत अच्छी तैयारी की थी, इसलिए उन्हें अंदाजा था कि उनके खिलाड़ी कैसे अटैक करेंगे। एसजी पाइपर्स की कप्तान ने कहा, 'मैच के पहले हाफ में हमें बहुत सारे मौके मिले और हमने कई मौके बनाए। हम आखिरी मिनट तक हार नहीं मानना चाहते थे। हमने इस सीजन में पहले भी देर से गोल किया था। टीम का मानना था कि अगर हम आखिरी मिनट तक कोशिश करते रहे और कड़ी मेहनत करते रहे, तो हम गोल कर लेंगे। हमें एक-दूसरे पर भरोसा था और हमें विश्वास था कि हम निश्चित रूप से गोल करेंगे।' नवनीत ने कहा कि सीजन के दौरान निरंतरता और अपने रोल को लेकर स्पष्टता जरूरी थी, हमने इसका ध्यान रखा। पूरे टूर्नामेंट में, हमने वही किया जो हमने पहले दिन से तय किया था। कैंप और ऑक्शन से ही, हम इस बारे में क्लियर थे कि हम इस टीम को कैसा बनाना चाहते हैं और हम कैसे काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल, 'हम आखिरी नंबर पर थे, जो काफी निराशाजनक था। लेकिन उस सीजन के समापन के साथ ही हमने अगले साल के लिए प्लानिंग शुरू कर दी।

एरिना सबालेंका ने कॅरियर का 22वां डब्ल्यूटीए खिताब जीता

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल

ब्रिस्बेन, 11 जनवरी (एजेंसियां)। वर्ल्ड नंबर 1 एरिना सबालेंका ने मार्टा कोस्तयुक को 6-4, 6-3 से हराकर ब्रिस्बेन इंटरनेशनल का ताज बचाया। यह मुकाबला रविवार को पैट राफ्टर एरिना में 1 घंटे और 18 मिनट तक चला। बेलारूस की सबालेंका का ऑस्ट्रेलिया में पांचवां और उनके करियर का 22वां खिताब था, जिससे वह एक्टिव खिलाड़ियों में सर्वाधिक डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीतने के मामले में विक्टोरिया अजारेंका से आगे निकल गईं। सबालेंका अब वीनस विलियम्स और इगा स्विएटेक के बाद तीसरे स्थान पर आ गई हैं। सबालेंका ने शुरुआत में ही दबाव बनाते हुए पहले सेट में 3-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन 23 वर्षीय कोस्तयुक ने वापसी की, उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर सेट को 3-3 से बराबर कर दिया। हालांकि, यह रिकवरी नाकाफी थी। सबालेंका ने 40 मिनट का पहला सेट अपने नाम कर लिया। सबालेंका ने छह गेम जीतकर दूसरे सेट पर नियंत्रण कर लिया और 3-0 की बढ़त बना ली। उन्होंने 4-1 की बढ़त को एक ड्रॉप शॉट और क्रॉसकोर्ट फोरहैंड विनर के कॉम्बिनेशन से सुनिश्चित किया, जिसके कुछ गेम बाद आराम से मैच जीत लिया। सबालेंका सीजन की शुरुआत में डब्ल्यूटीए 500 खिताब का बचाव करने वाली तीसरी महिला बन गई हैं। इस सूची में सेरेना विलियम्स और कैरोलिना प्लिस्कोवा भी शामिल हैं। खिताबी जीत के बाद सबालेंका ने कहा, 'सबसे पहले, मैं मार्टा और उनकी टीम को सीजन की शानदार शुरुआत के लिए बधाई देना चाहती हूं। मैं आपको इस सीजन के लिए शुभकामनाएं देती हूं। मुझे उम्मीद है कि हम कुछ अन्य मौकों पर फाइनल में आमने-सामने होंगे। यह जीत बहुत खास है। मैं इस सीजन की शुरुआत बहुत अच्छे नोट पर करके खुश हूं। मैंने इस पूरे हफ्ते जिस तरह का प्रदर्शन किया, उससे खुश हूं।' साल 2026 का अपना पहला खिताब जीतने के बाद सबालेंका ऑस्ट्रेलियन ओपन पर ध्यान दे रही हैं।

सार संक्षेप

यास्तिका भाटिया डब्ल्यूपीएल 2026 से बाहर

नवी मुम्बई। गुजरात जायंट्स (जीजी) की विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 से बाहर हो गई हैं। भाटिया की उपलब्धता को पहले से ही संशय बना हुआ था क्योंकि अक्तूबर में उनकी एसीएल सर्जरी हुई थी। डब्ल्यूपीएल ने नीलामी से पहले ही तमाम फ्रेंचाइजी को सूचित कर दिया था कि अगर कोई टीम उन्हें खरीदती है तो उनके लिए रिप्लेसमेंट विकल्प नहीं दिया जाएगा। इसके बावजूद जीजी और यूपी वॉरियर्ज ने उनके लिए बोली लगाई और जीजी ने 50 लाख में उन्हें खरीद लिया। जीजी के कोच माइकल क्लिंगर ने सोशल मीडिया पर फ्रेंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि आप अच्छी होंगी और अच्छी तरह से रिकवर कर रही होंगी। हमें आपके दोबारा फिट होने और डब्ल्यूपीएल के पांचवें सीजन में बेसब्री से आपकी वापसी का इंतजार है।'

टाटा मुंबई मैराथन में शीर्ष इंटरनेशनल धावक हिस्सा लेंगे

मुंबई। टाटा मुंबई मैराथन 18 जनवरी को अपने 21वें एडिशन में प्रवेश करेगा, जिसमें कई इंटरनेशनल एथलीट शामिल होंगे जो पुरुषों और महिलाओं दोनों की रेस में इवेंट रिकॉर्ड को चुनौती देने में सक्षम हैं। वर्ल्ड एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस, मुंबई मैराथन की स्टार्ट लिस्ट में आठ पुरुष और छह महिलाएं हैं, जिनकी पर्सनल बेस्ट टाइमिंग मौजूदा कोर्स रिकॉर्ड से तेज है। मौजूदा इवेंट रिकॉर्ड 2023 से हैं और पुरुषों की कैटेगरी में इथियोपिया के हेले लेमी बरहानू (2:07:32) और महिलाओं की रेस में एंचियालेम हेमानोट (2:24:15) के नाम हैं।2026 एडिशन के लिए कुल प्राइज मनी 390,238 डॉलर है। पुरुषों और महिलाओं दोनों की रेस में टॉप तीन फिनिशर्स को क्रमशः 50,000, 25,000 और 15,000 डॉलर मिलेंगे, साथ ही इवेंट रिकॉर्ड तोड़ने वाले एथलीटों को अतिरिक्त 15,000 डॉलर का इंसेंटिव मिलेगा। पुरुषों की फील्ड में इरिट्रिया के मेरहावी केसेट शामिल हैं, जो पिछले साल के मुंबई मैराथन में दूसरे स्थान पर रहे थे, साथ ही युगांडा के 2023 विश्व चैंपियन विक्टर किपलांगट, दक्षिण अफ्रीका के स्टीफन मोकोका, और इथियोपिया के बाज़ेज़ेव असमारे, टाडू अबाटे डेमे और टेस्फ़ाये डेमेके भी शामिल हैं।

रिकलटन के शतक से एमआई केप टाउन ने जेएसके को हराया

सेंडटन। रयान रिकलटन बेटवे एसए20 में एक से अधिक शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। डिफेंडिंग चैंपियन एमआई केप टाउन ने वांडरर्स में खेले गए 'एल क्लासिको' मुकाबले में जोबर्ग सुपर किंग्स (जेएसके) को 36 रन से हराकर अपने बेटवे एसए20 अभियान को नई जान दी।रिकलटन ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी की बराबरी करते हुए 60 गेंदों में नाबाद 113 रन (8 चौके, 9 छक्के) बनाए, जिसकी बदौलत एमआई केप टाउन ने 20 ओवर में 3 विकेट पर विशाल 234 रन बनाए। इसके बाद जॉर्ज लिंडे (2/30) और कगिसो रबाडा (2/34) की सटीक गेंदबाज़ी ने सुपर किंग्स को 5 विकेट पर 198 रन तक सीमित कर दिया। सलामी बल्लेबाज़ रासी वान डर डुसेन ने भी अहम योगदान दिया और 32 गेंदों में 65 रन (4 चौके, 6 छक्के) जड़े।

मेदवेदेव, नाकाशिमा ने ब्रिस्बेन फाइनल में जगह बनाई

ब्रिस्बेन, 11 जनवरी (एजेंसियां)। दानिल मेदवेदेव ने फ़ाइनल में पहुंचकर यह सुनिश्चित किया कि ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में उन्हें गौरव हासिल करने का एक और मौका मिलेगा। टॉप सीड और 2019 के रनर-अप ने शनिवार को अमेरिकी एलेक्स मिशेलसेन पर 6-4, 6-2 से कड़े सेमीफाइनल में जीत हासिल करके अपने 41वें टूर-लेवल फाइनल में जगह बनाई। हालांकि मेदवेदेव ने 27 अनफोर्स्ड एरर किए, लेकिन उन्होंने दूसरे सेट में सामना किए गए सभी चार ब्रेक पॉइंट्स को कुशलता से बचाया, जिससे उन्होंने सक्रिय खिलाड़ियों में दूसरे सबसे ज़्यादा फाइनल के लिए अलेक्ज़ेंडर ज़्वेरेव के साथ अपनी बराबरी तोड़ी, जो केवल नोवाक जोकोविच (144) से पीछे हैं। एटीपी रैंकिंग में पूर्व नंबर 1 खिलाड़ी मेदवेदेव ने कहा, 'यह बिल्कुल भी आसान नहीं था। स्कोर मैच को पूरी तरह से नहीं दिखाता है।लेकिन मैं खुश हूं कि सबसे महत्वपूर्ण पलों में, मैं एलेक्स से बेहतर प्रदर्शन करने में कामयाब रहा। मैच जीतने के लिए आपको यही करना होता है।' 2025 सीजन के अंत में मेदवेदेव का उत्साहजनक प्रदर्शन, जिसमें अल्माटी में 15 महीने के खिताब के सूखे को खत्म करने से पहले बीजिंग और शंघाई में लगातार सेमीफाइनल शामिल थे, ने 2026 की सकारात्मक शुरुआत के लिए आधार तैयार किया है। वह एक और अमेरिकी ब्रैंडन नाकाशिमा के खिलाफ फाइनल में 2-0 लेक्सस एटीपी हेड2हेड बढ़त के साथ उतरेंगे।

विजय हजारे ट्रॉफी में रनों का अंबार

अपने गेम को समझना जरूरी : देवदत्त

■ सीजन के 7 मैचों में पड्डिकल 600 से अधिक रन बना चुके हैं

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पड्डिकल बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं। सीजन के 7 मैचों में पड्डिकल 600 से अधिक रन बना चुके हैं। लगातार बड़े स्कोर करने की उनकी निरंतरता ने क्रिकेट फैंस और विशेषज्ञों को प्रभावित किया है। पड्डिकल ने अपनी बेहतरीन फॉर्म पर कहा है कि अपनी क्रिकेट को समझना बहुत जरूरी है। इससे चीजें आसान हो जाती हैं। देवदत्त पड्डिकल ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से बातचीत में कहा, 'जब आप अलग-अलग पोजीशन पर बैटिंग करना शुरू करते हैं, तो आप अपने गेम के बारे में बहुत कुछ सीखते हैं। मुझे लगता है कि क्रिकेट में, अपने गेम को अंदर से बाहर तक समझना जरूरी है, तभी आप अपना बेस्ट दे सकते हैं। अलग-अलग पोजीशन पर बैटिंग करने से मुझे यह समझने में मदद मिली है कि गेम के अलग-अलग फेज में मुझे किन क्षेत्रों पर टारगेट करना है, और इससे मुझे इतने सालों में अपनी इनिंग्स को बेहतर बनाने में मदद मिली है।' उन्होंने कहा कि हर मैच में एक ही तरह से खेलना आसान है, लेकिन बड़े स्कोर नहीं बना पाते। यह जरूरी था कि मैं खुद को ढालूं और इसमें निरंतरता लाऊं। जब आप रन बना रहे होते हैं, तो यह मानना आसान होता है कि गेम खेलने का सिर्फ एक ही तरीका है। अक्सर यहीं पर आप एक समय के बाद फॉर्म खो देते हैं। अगर आप निरंतरता के साथ बड़े रन बनाना चाहते हैं, तो गेम को समझना और जितनी जल्दी हो सके एडजस्ट करना जरूरी है। इसके लिए तकनीक से ज्यादा मानसिक तौर पर तैयार रहना जरूरी है। देवदत्त पड्डिकल विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक की तरफ से 7 मैचों में 4 शतक और 1 अर्धशतक की मदद से 640 रन बना चुके हैं। यह तीसरा मौका है, जब विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने 600 या उससे अधिक रन बनाए हैं। ऐसा करने वाले वह एकमात्र भारतीय बल्लेबाज हैं। विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पड्डिकल बेहतरीन फॉर्म में चल रहे हैं।

हरिकेंस ने प्लेऑफ में जगह पक्की की

सिडनी, 11 जनवरी (एजेंसियां) सिडनी सिक्सर्स और होबार्ट हरिकेंस के बीच बीबीएल का मैच 31 लगातार बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। अंक बांटे जाने के बाद हरिकेंस प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम बन गई, जबकि सिक्सर्स टेबल में एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गई। यह मैच एशेज के बाद बीबीएल में स्टीव स्मिथ की वापसी का प्रतीक था और जब उन्हें पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहा गया तो उन्होंने सिक्सर्स के लिए पारी की शुरुआत करने के लिए बाबर आजम के साथ साझेदारी की। हरिकेंस की कसी हुई गेंदबाजी ने ज्यादातर मशहूर बल्लेबाजों को काबू में रखा, जिससे पावरप्ले में सिर्फ 25 रन बने। हालांकि, सिक्सर्स के प्रशंसकों के पास खुश होने के कुछ पल थे, जिसमें दूसरे ओवर में स्मिथ का डीप मिड-विकेट पर छक्का और चौथे ओवर में बाबर का कवर ड्राइव शामिल था। पावरप्ले के बाद खेल का सिर्फ एक और ओवर संभव हो पाया, जिसके बाद एससीजी में लगातार बारिश शुरू हो गई।

संक्षिप्त स्कोर: सिडनी सिक्सर्स 32/0 5 ओवर में (स्टीव स्मिथ 19*, बाबर आजम 9*) बनाम होबार्ट हरिकेंस - कोई नतीजा नहीं।

खो-खो : महाभारत काल से जुड़ा खेल

1955 में खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया की स्थापना की गई

■ इस खेल को एशियन गेम्स 1982 में शामिल किया गया था

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के पारंपरिक खेल 'खो-खो' में फुर्ती, रणनीति और टीमवर्क की अहम भूमिका होती है। सीमित मैदान पर खेला जाने वाला फिटनेस और अनुशासन का यह खेल खिलाड़ियों की गति, संतुलन और निर्णय क्षमता को निखारता है। माना जाता है कि खो-खो की जड़ें महाराष्ट्र से जुड़ी हैं, लेकिन महाभारत काल में भी इसका जिक्र है, जहां रथों पर खेले जाने वाले 'राठेरा' जैसा खेल इसका आधार बना। साल 1914 में पुणे के डेक्कन जिमखाना क्लब ने खो-खो के आधुनिक रूप को डिजाइन किया। इस दौरान खेल के लिए नियम भी बनाए गए। 1936 बर्लिन ओलंपिक में खो-खो को प्रदर्शनी खेल के तौर पर शामिल किया गया। हालांकि, यह आधिकारिक प्रतिस्पर्धी खेल नहीं था। 1955 में खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) की स्थापना की गई। 1959-60 में पहली बार पहली ऑल इंडिया खो-खो चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। विमेंस नेशनल चैंपियनशिप 1960-61 में आयोजित हुई। इस खेल को एशियन गेम्स 1982 में शामिल किया गया था। खो-खो को गुवाहाटी में हुए साउथ एशियन गेम्स 2016 में मेडल वाले खेल के तौर पर शामिल किया गया था। फिलहाल करीब 25 देशों की अपनी खो-खो टीमें हैं। आयताकार मैदान (27 मीटर × 16 मीटर) पर खेले जाने वाले इस खेल में दोनों छोर पर लकड़ी के खंभे होते हैं। प्रत्येक टीम में 12 खिलाड़ी होते हैं, लेकिन एक बार में सिर्फ 9 खिलाड़ी ही खेल सकते हैं। 27 मीटर की दो रेखाओं को साइड लाइन्स कहा जाता है, जबकि 16 मीटर की दो रेखाओं को ड्यू रेखा एंड लाइन्स कहा जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर के खो-खो मुकाबले दो पारियों में बंटे होते हैं।

एफए कप : एक्सेटर सिटी को 10-1 गोल से हराया

मैनचेस्टर, 11 जनवरी (एजेंसियां)। मैनचेस्टर सिटी ने एफए कप कैंपेन की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की है। एतिहाद स्टेडियम में एक्सेटर सिटी के खिलाफ खेले गए मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी ने 10-1 से एकतरफा जीत हासिल की। मजबूत लाइनअप के साथ, मैनचेस्टर सिटी ने मैच के शुरुआत में नियंत्रण बना लिया था। मैक्स एलेन ने स्कोरिंग शुरू की। रोड्री ने एक जबरदस्त स्ट्राइक से लीड को डबल कर दिया। नाथन ने तीसरा गोल दागा। एक्सेटर की मुश्किल तब और बढ़ गई जब जैक फिट्जवॉटर ने गलती से इंटरवल से ठीक पहले बॉल अपने ही नेट में डाल दी। ब्रेक के बाद भी मैनचेस्टर ने कोई ढील नहीं दी। रिको लुईस ने दूसरे हाफ की शुरुआत में गोल किया, जिसके तुरंत बाद एंटोनी सेमेन्यो ने गोल किया। एंटोनी सेमेन्यो का यह डेब्यू गोल था। टिजानी राइजेंडर्स ने सातवां गोल किया। निको ओ'रैली ने आठवां और रयान मैकएडू ने नौवां गोल किया। एक्सेटर की तरफ से जॉर्ज बर्च ने एकमात्र गोल दागा। लुईस ने मैनचेस्टर की तरफ से दसवां गोल करते हुए टीम की एक बड़ी जीत पर मुहर लगा दी। कुछ दिन पहले ही बोर्नमाउथ से साइन किए गए घाना के इस फॉरवर्ड ने अपने पहले ही मैच में एक गोल और एक असिस्ट किया, जिससे पता चलता है कि सिटी ने उनके आने पर इतना पैसा क्यों लगाया। मैच का यह परिणाम पेप गार्डियोला के अंडर सिटी की सबसे बड़ी जीत और दशकों में उनकी सबसे बड़ी एफए कप जीत थी, जो 1987 में आखिरी बार देखे गए 10 गोल के अंतर के बराबर थी।

[अर्थ जगत]

अमेरिकी शुल्क की घोषणा से एमएसएमई पर बढ़ा खतरा

नई दिल्ली। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) पर 50 प्रतिशत अमेरिकी शुल्क की घोषणा से खतरा मंडराने लगा है। देश के कुल निर्यात में 45 प्रतिशत से अधिक योगदान करने वाले इस क्षेत्र के सामने बड़ी आफत आ खड़ी हुई है। एमएसएमई उद्योग संगठनों ने अमेरिकी कदम का बड़ा असर होने की चिंता जताई है और सरकार से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। इंडिया एसएमई फोरम के अध्यक्ष ने कहा कि शुल्क बढ़ने से सालाना 30 अरब डॉलर से अधिक का कारोबार खटाई में पड़ने की आशंका है।

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

एशियन पेंट्स	1.36 प्रतिशत
एचसीएल टेक	0.86 प्रतिशत
बीईएल	0.77 प्रतिशत
रिलायंस	0.34 प्रतिशत
इटरनल	0.32 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

एनटीपीसी	2.34 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	2.22 प्रतिशत
अडानी पोर्ट्स	1.98 प्रतिशत
भारती एयरटेल	1.89 प्रतिशत
सनफार्मा	1.79 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,37,122
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,42,808
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	91.19	88.18
पौड स्टर्लिंग	122.78	118.40
यूरो	106.73	102.79
चीन युआन	13.84	12.02

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4306-4400
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4992-5003

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7792.58
मसूर काली	8145.87
उड़द दाल	10410.20
मूंग दाल	10103.84
अरहर दाल	10618.56

सरकार की योजनाओं ने भारत के विकास की दिशा बदली : हरदीप पुरी

- अब सरकार की सोच केवल महिलाओं के लिए योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं रही
- महिलाओं के नेतृत्व में विकास को आगे बढ़ाने पर दिया जा रहा जोर

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की योजनाओं ने भारत के विकास की दिशा बदल दी है। अब सरकार की सोच केवल महिलाओं के लिए योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं के नेतृत्व में विकास को आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, जिससे राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और अधिक भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

ये बातें पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने तमिलनाडु के कोयंबटूर में भाजपा की प्रोफेशनल सेल द्वारा आयोजित 'प्रोफेशनल्स कनेक्ट 2026' सम्मेलन में पेशेवरों, उद्योग जगत के लोगों, शिक्षकों, उद्यमियों और छात्रों को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कोयंबटूर शहर को व्यापार, अनुशासन और शांत आत्मविश्वास का प्रतीक बताया।

हरदीप पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के लक्ष्य को पाने के लिए देश में ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत किया जा रहा है। इसके लिए तेल और गैस से जुड़ी पूरी व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है और हरित ऊर्जा की ओर तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी की कई दूरदर्शी योजनाओं से जुड़ने का अवसर मिला, जिनसे लोगों का जीवन बेहतर हुआ और दुनिया भर में भारत की पहचान बनी। इन योजनाओं ने महिलाओं के लिए विकास से आगे बढ़कर महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की सोच को मजबूत किया है।

चर्चा के दौरान हरदीप पुरी ने केंद्र सरकार की सुधार योजनाओं और नीतियों के सकारात्मक प्रभावों की बात की। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से भारत की आर्थिक प्रगति को मजबूती मिली है और देश अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि इन सुधारों का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचा है, जिससे सामाजिक और आर्थिक भागीदारी पहले से कहीं ज्यादा बढ़ी है।

मंत्री ने भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर भी बात की। उन्होंने कहा कि देश तेल और गैस से जुड़ी व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ हरित ऊर्जा को तेजी से अपनाने पर ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि भारत पहले ही 20 प्रतिशत जैव ईंधन मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर चुका है और हरित हाइड्रोजन जैसे भविष्य के ईंधनों की दिशा में भी लगातार प्रगति कर रहा है, जो विकसित भारत के सपने का हिस्सा है। हरदीप पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनाए गए चार करोड़ से अधिक घर महिलाओं के नाम पर या उनके साथ संयुक्त रूप से पंजीकृत किए गए हैं।

देश में खोले गए 12,500 से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर : आयुष मंत्रालय

- लोगों को मिलेंगी पारंपरिक स्वास्थ्य व मेडिकल सेवाएं

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। देशभर में 12,500 से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) खोले गए हैं। इसकी जानकारी आयुष मंत्रालय ने रविवार को दी है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि संपूर्ण हेल्थकेयर के जरिए भारत को सशक्त बनाना है। देश के अलग-अलग जगहों पर अब 12,500 से ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) चालू हो गए हैं। आयुष मंत्रालय यह सुनिश्चित कर रहा है कि पारंपरिक स्वास्थ्य और मेडिकल सेवाएं देश के हर कोने तक पहुंचें।

आयुष मंत्रालय ने कहा कि हमारा संकल्प विकसित भारत, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) अंतिम मील तक आयुष सेवाएं पहुंचाना है। इसके कुल 12,500 केंद्र खोले गए हैं।

आयुष मंत्रालय के अनुसार, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 20 मार्च 2020 को आयुष मंत्रालय के उस प्रस्ताव को मंजूरी दी, जिसके तहत आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 12,500 स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों को चरणबद्ध तरीके से वर्ष 2019-20 से 2023-24 तक चालू किया जाएगा। ये आयुष स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र केंद्र प्रायोजित योजना के तहत और राष्ट्रीय आयुष मिशन के व्यापक दायरे में राज्यों-केंद्र शासित प्रदेशों के माध्यम से संचालित किए जाएंगे। हमारा उद्देश्य एक समग्र स्वास्थ्य मॉडल स्थापित करना है, जिससे बीमारियों का बोझ कम हो, जेब से होने वाला खर्च कम हो और जरूरतमंद जनता को सोच-समझकर निर्णय लेने का अवसर मिले। मानक प्रोटोकॉल का उपयोग करके व्यापक देखभाल प्रदान करने के लिए मौजूदा व्यवस्था के साथ कार्यात्मक एकीकरण, बुनियादी ढांचे का उन्नयन, स्व-देखभाल के लिए सामुदायिक लामबंदी, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का संवेदीकरण और क्षमता निर्माण, उच्चस्तरीय सुविधाओं, आयुष शैक्षणिक संस्थानों, प्रतिष्ठित गैर सरकारी संगठनों और ट्रस्टों के साथ संबंध और आईटी प्लेटफॉर्म की मदद से प्रलेखन गतिविधियों की मुख्य विशेषताएं हैं।

मस्क एक हफ्ते में सार्वजनिक करेंगे एक्स का नया एल्गोरिदम

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। टेस्ला और स्पेसएक्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने कहा है कि वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स का नया एल्गोरिदम सात दिनों के भीतर सार्वजनिक करेंगे। इसमें पोस्ट दिखाने और विज्ञापन सुझाने से जुड़ा पूरा कोड शामिल होगा।

मस्क ने कहा कि एक हफ्ते में पूरा एल्गोरिदम जारी कर दिया जाएगा। अभी इसमें काफी सुधार की गुंजाइश है। इसका उद्देश्य यूजर्स को वही कंटेंट दिखाना है, जिसमें उनकी सबसे ज्यादा रुचि हो। इसका लक्ष्य यह है कि लोग बिना पछतावे के ज्यादा समय इस प्लेटफॉर्म पर बिताएं।'

आगे यह भी कहा कि हर चार हफ्ते में एल्गोरिदम को अपडेट किया जाएगा और साथ में पूरी जानकारी भी दी जाएगी, ताकि लोग समझ सकें कि क्या बदलाव किए गए हैं।

हालांकि, एलन मस्क ने यह स्पष्ट नहीं किया कि कंपनी एल्गोरिदम को सार्वजनिक क्यों कर रही है। पहले भी एक्स और एलन मस्क के बीच नियमों और कंटेंट को लेकर कई बार विवाद हो चुका है। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब यूरोपीय आयोग ने एक्स को लेकर एक पुराने आदेश को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है।

कच्छ में 1.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा अडाणी ग्रुप

भारत एक साथ आर्थिक तरक्की, पर्यावरण की रक्षा और ऊर्जा की जरूरतों को पूरा कर सकता है : करण अडाणी

अहमदाबाद, 11 जनवरी (एजेंसियां)। अडाणी ग्रुप अगले 5 वर्षों में गुजरात के कच्छ क्षेत्र में 1.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा। यह बात अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन (एपीएसईजेड) लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर करण अदाणी ने रविवार को कही।

करण अडाणी ने कहा कि यह निवेश दिखाता है कि भारत एक साथ आर्थिक तरक्की, पर्यावरण की रक्षा और ऊर्जा की जरूरतों को पूरा कर सकता है। राजकोट में आयोजित एक कार्यक्रम में करण अडाणी ने कहा कि गुजरात अडाणी ग्रुप के लिए सिर्फ निवेश का राज्य नहीं है, बल्कि यही उनकी पूरी यात्रा की नींव है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल थे। उन्होंने कहा, 'हमारे चेयरमैन गौतम अडाणी का हमेशा से यह मानना रहा है कि हमारे ग्रुप की तरक्की देश के विकास से अलग नहीं होनी चाहिए। गुजरात वह जगह है, जहां से अडाणी ग्रुप की शुरुआत हुई थी और यही वह राज्य है जहां हमारी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता टिकी हुई है। इसी आधार पर आगे बढ़ते हुए अडाणी ग्रुप अगले पांच वर्षों में कच्छ क्षेत्र में 1.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है। गुजरात के प्रशासनिक मॉडल की तारीफ करते हुए करण अडाणी ने कहा कि राज्य ने व्यापार करने में आसानी को बहुत पहले ही जमीन पर दिखा दिया था, जब यह शब्द राष्ट्रीय नीति का हिस्सा भी नहीं बना था। उन्होंने यह भी कहा कि हम अगले 10 वर्षों में मुंद्रा बंदरगाह की क्षमता को दोगुना कर देंगे।

सीआईआई ने की केंद्र से सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के निजीकरण में तेजी लाने की अपील

- भारत की आर्थिक प्रगति में अब लगातार बढ़ रही निजी कंपनियों व नए विचारों की भूमिका

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। देश के प्रमुख उद्योग संगठन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट के लिए अपने सुझावों में केंद्र सरकार से सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के निजीकरण की प्रक्रिया को तेज करने की अपील की है। संगठन का कहना है कि इससे सरकारी कंपनियों की वास्तविक कीमत सामने आएगी और सरकार को संसाधन जुटाने में मदद मिलेगी।

सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि भारत की आर्थिक प्रगति में अब निजी कंपनियों और नए विचारों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप एक दूरदर्शी निजीकरण नीति से सरकार अपने मुख्य कार्यों पर ध्यान दे सकेगी और निजी क्षेत्र को उद्योगों के विकास और रोजगार सृजन में तेजी लाने का मौका मिलेगा। इसी सोच के तहत भारतीय उद्योग परिसंघ ने सरकार की रणनीतिक विनिवेश नीति को तेजी से लागू करने की मांग की है, जिसके अनुसार, गैर-रणनीतिक क्षेत्रों में सभी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों से सरकार बाहर निकले और रणनीतिक क्षेत्रों में भी सरकार की हिस्सेदारी बहुत कम रखी जाए।

निजीकरण की प्रक्रिया को मजबूत और तेज करने के लिए सीआईआई ने चार सूत्रीय व्यापक रणनीति की रूपरेखा तैयार की है। पहले सुझाव में कहा गया है कि निजीकरण के लिए कंपनियों का चयन मांग के आधार पर किया जाना चाहिए। अभी सरकार पहले कंपनियों को बेचने के लिए चुनती है और बाद में निवेशकों की रुचि देखती है। कई बार निवेशकों की दिलचस्पी या सही कीमत न मिलने पर प्रक्रिया रुक जाती है। संगठन का कहना है कि पहले निवेशकों की रुचि जानी जाए और फिर उन्हीं कंपनियों को प्राथमिकता दी जाए जिनमें अच्छी मांग हो। इससे प्रक्रिया आसान होगी और बेहतर कीमत मिल सकेगी।

दूसरे सुझाव में कहा गया है कि निवेशकों को स्पष्ट जानकारी देने के लिए सरकार को तीन साल की निजीकरण योजना पहले से घोषित करनी चाहिए। इससे निवेशकों को तैयारी का समय मिलेगा और कंपनियों की सही कीमत तय करने में मदद मिलेगी।

तीसरे सुझाव के तहत भारतीय उद्योग परिसंघ ने एक मजबूत व्यवस्था बनाने की बात कही है ताकि निजीकरण की निगरानी और भरोसे को बढ़ाया जा सके। इसके लिए एक विशेष संस्था बनाने का सुझाव दिया गया है, जिसमें दिशा देने के लिए मंत्री स्तर का बोर्ड, सलाह देने के लिए उद्योग और कानूनी विशेषज्ञों का एक सलाहकार बोर्ड और काम को आगे बढ़ाने के लिए एक पेशेवर टीम शामिल हो। इसके अलावा, संगठन ने एक अस्थायी उपाय के रूप में चरणबद्ध विनिवेश करेगी।

सीईओ आशीष चौहान ने तिरुपति दर्शन कर मांगा देश के लिए आशीर्वाद

मुंबई, 11 जनवरी (एजेंसियां)। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आशीष कुमार चौहान ने रविवार को अपने परिवार के साथ तिरुपति जाकर भगवान वेंकटेश्वर के मंदिर में दर्शन किए और एक्सचेंज, उसके सदस्यों, शेयरधारकों और देश के लिए आशीर्वाद मांगा।

अपनी इस यात्रा के बारे में बात करते हुए आशीष कुमार चौहान ने कहा कि दर्शन सुबह-सुबह हुए और उन्होंने इसे बेहद संतोषजनक अनुभव बताया। साथ ही उन्होंने एनएसई की भलाई और देश के समग्र विकास के लिए प्रार्थना की। चौहान ने कहा, 'आज सुबह तिरुपति में भगवान के बहुत अच्छे दर्शन हुए। हमने एनएसई, उसके सभी सदस्यों, सभी शेयरधारकों और देश के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने आगे कहा कि यह यात्रा काफी पहले से तय थी, लेकिन संयोग से यह एक्सचेंज से जुड़ी एक अहम घोषणा के एक दिन बाद हुई। शनिवार को सेबी के अध्यक्ष ने कहा था कि एनएसई को उसके बहुप्रतीक्षित आईपीओ की मंजूरी इसी महीने मिलने की उम्मीद है।

चौहान ने कहा कि तिरुपति यात्रा और इस घोषणा का समय एक साथ होना उन्हें शुभ लगा, खासकर इसलिए क्योंकि यह खबर उसी समय आई, जब वह मंदिर नगर में पहुंचे थे। उन्होंने इसे एक शुभ संकेत और भगवान का आशीर्वाद बताया।

उन्होंने कहा कि जब हम तिरुपति पहुंचे, उसी समय यह घोषणा हुई। इसलिए हमें लगता है कि यह एक शुभ संकेत और ईश्वर का आशीर्वाद मानते हैं। 'आशीष चौहान ने कहा कि दर्शन शांतिपूर्ण और यादगार रहे और उन्होंने इस महत्वपूर्ण समय पर भगवान का आशीर्वाद पाने के अवसर के लिए आभार व्यक्त किया।

चावल, गेहूं नरम, चीन, खाद्य तेल में साप्ताहिक तेजी, दालों में घटबढ़

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव घट गए। चावल के साथ गेहूं में भी नरमी रही। चीनी और खाद्य तेलों की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई जबकि दालों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 52 रुपए टूटकर सप्ताहांत पर 3,756 रुपए प्रति क्विंटल रह गई। गेहूं आठ रुपए कमजोर हुआ और सप्ताहांत पर 2,854 रुपए प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटा चार रुपए महंगा हुआ और 3,319 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गया।

बीते सप्ताह खाद्य तेलों में तेजी रही। मूंगफली तेल की औसत कीमत 225 रुपए और पाम ऑयल की 101 रुपए बढ़ गई। सरसों तेल 81 रुपए और वनस्पति 76 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सूरजमुखी तेल के भाव में 72 रुपए और सोया तेल में 43 रुपए प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव 24 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ गए। चीनी भी 23 रुपए प्रति क्विंटल महंगी हुई।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के औसत थोक भाव शनिवार को इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** दाल चना 7715.18 रुपए, मसूर काली 8095.66 रुपए, मूंग दाल 10052.51 रुपए, उड़द दाल 10402.37 रुपए, तुअर (अरहर) दाल 10532.05 रुपए प्रति क्विंटल रहा।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2854.09 रुपए और चावल 3756.25 रुपए प्रति क्विंटल। आटा (गेहूं) 3319.02 रुपए प्रति क्विंटल रहा। **चीनी-गुड़ :** चीनी एस 4324.94 रुपए और गुड़ 4983.02 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए।

दार्जिलिंग चाय उत्पादन पर गहराया संकट

- मौसम के बदलते मिजाज, श्रमिकों की कमी व बढ़ता आर्थिक तनाव डाल रहा प्रतिकूल असर

नई दिल्ली, 11 जनवरी (एजेंसियां)। दार्जिलिंग की मशहूर चाय का उत्पादन 2025 में काफी कम रह सकता है। जनवरी से नवंबर तक के उत्पादन आंकड़ों के आधार पर यह अनुमान जताया जा रहा है। माना जा रहा है कि मौसम के बदलते मिजाज, चाय की पत्तियां तोड़ने वाले श्रमिकों की कमी और बढ़ता आर्थिक तनाव इस क्षेत्र में चाय उत्पादन पर प्रतिकूल असर डाल रहे हैं।

चाय बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध आंकड़ों से पता चलता है कि 2025 में जनवरी से नवंबर तक उत्पादन 51.9 लाख किलोग्राम था जबकि 2024 में इसी अवधि के दौरान यह आंकड़ा 56.9 लाख किलोग्राम था। कैलेंडर वर्ष 2024 में दार्जिलिंग की चाय का उत्पादन 57.1 लाख किलोग्राम रहा था। इस बारे में चाय बोर्ड के उपाध्यक्ष सी मुरुगन ने कहा कि हम उत्पादन पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। अगले महीने तक हमें 2025 कैलेंडर वर्ष के उत्पादन आंकड़े मिल जाएंगे।' उन्होंने कहा कि चाय बोर्ड ने 2024 में 30 नवंबर तक उत्तर भारत के बागान जल्दी बंद करने की घोषणा की थी मगर 2025 में ऐसा कोई ऐलान नहीं किया गया। हालांकि, चाय उद्योग के सूत्रों का कहना है कि दार्जिलिंग में अमूमन नवंबर के अंत तक चाय का उत्पादन बंद हो जाता है।

भारतीय चाय संघ के महासचिव अरिजित राहा ने कहा कि दार्जिलिंग चाय का उत्पादन पहले की तुलना में अब काफी कम रह गया है। साल 2025 में चाय का उत्पादन और कम रहना दार्जिलिंग के लिए कोई नई बात नहीं है। 'चाय के शैंपेन' के नाम से मशहूर दार्जिलिंग के चाय बागानों में उत्पादन पहले से ही लगातार घट रहा है। वर्ष 1990 में चाय उत्पादन 1.44 करोड़ किलोग्राम था, मगर तब से इसमें लगातार कमी आ रही है। यहां उत्पादन को एक बड़ा झटका 2017 में उस समय लगा था जब गोरखालैंड की मांग को लेकर लंबे खिंचे आंदोलन की वजह से दार्जिलिंग का चाय उद्योग 104 दिनों तक बंद रहा था। इस कारण उस वर्ष चाय की पैदावार घट कर 32 लाख किलोग्राम ही रह गई थी।

दार्जिलिंग का चाय उद्योग कई समस्याओं से जूझ रहा है। इनमें सबसे प्रमुख हैं बागानों की उम्र। यहां लगभग 80-90 प्रतिशत बागान 70 साल से अधिक पुराने हैं। इनमें कुछ तो एक शताब्दी से भी अधिक पुराने हैं। मुरुगन ने कहा कि चाय बागान मालिकों को पुन: रोपण और बागान का रंग-ढंग बदलने की जरूरत है। वहीं दार्जिलिंग के अधिकांश बागानों ने जैविक उत्पादन की तरफ कदम बढ़ा दिए हैं।

सार संक्षेप

शीर्ष 10 की सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही बड़ी गिरावट के बीच बीएसई की शीर्ष 10 में शामिल सात कंपनियों का सम्मिलित बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 3,63,412 करोड़ रुपए घट गया जबकि अन्य तीन का एमकैप 41,599 करोड़ रुपए बढ़ा। बाजार पूंजीकरण के मामले में लंबे समय से शीर्ष पर रहने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज को सप्ताह के दौरान 1,58,533 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ और सप्ताहांत पर उसका एमकैप घटकर 19,96,446 करोड़ रुपए रह गया। सप्ताह के दौरान उसका शेयर 7.36 प्रतिशत गिरा था। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का एमकैप 96,154 करोड़ रुपए गिरकर 14,44,150 करोड़ रुपए रहा। वह अब भी रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाद दूसरे नंबर पर बरकरार है। बाजार पूंजीकरण के मामले में भारती एयरटेल बीते सप्ताह 45,275 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ तीसरे स्थान से फिसलकर चौथे स्थान पर आ गई।

टाटा कंपनी जल्द करेगी डिविडेंड का ऐलान

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की दिग्गज टाटा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड जल्द ही अपने कारोबारी नतीजों का ऐलान करने वाली है। यह कंपनी सेंसेक्स में शामिल है और अभी कंपनी का मार्केट वैल्यू 11 लाख 60 हजार 682 करोड़ 48 लाख रुपए है। कंपनी 12 जनवरी 2026 को अपनी बोर्ड मीटिंग में दिसंबर 2025 तक खत्म होने वाली तिमाही और नौ महीने की फाइनेंशियल रिपोर्ट को मंजूर करेगी। साथ ही, शेयरधारकों के लिए तीसरा अंतरिम डिविडेंड देने पर भी विचार किया जाएगा। कंपनी ने 23 दिसंबर को एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया था कि बोर्ड मीटिंग में अंतरिम डिविडेंड पर बातचीत होगी। हालांकि, कितनी रकम होगी, ये अभी नहीं बताया गया है। अगर डिविडेंड मंजूर होता है, तो उन शेयरधारकों को इसका फायदा मिलेगा, जिनका नाम 17 जनवरी 2026 को कंपनी के रजिस्टर में होगा या डिपॉजिटरी रिकॉर्ड्स में बेनिफिशियल ओनर के तौर पर दर्ज होगा।

उर्वरकों पर जीएसटी पांच प्रतिशत हो : आईएमएमए

नई दिल्ली। इंडियन माइक्रो-फर्टिलाइजर्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएमएमए) ने केंद्र से आग्रह किया है कि 'फर्टिलाइजर कंट्रोल ऑर्डर' के तहत अधिसूचित सभी उर्वरकों पर वस्तु एवं सेवा कर की दर को समान रूप से घटाकर पांच प्रतिशत किया जाए। एसोसिएशन ने केंद्रीय बजट 2026-27 से पहले केंद्र सरकार को पत्र लिखकर अपनी बजट पूर्व सिफारिशों में उर्वरक क्षेत्र को प्रतिस्पर्धी बनाने और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देने के लिए बड़े नीतिगत सुधारों की मांग की है। एसोसिएशन ने बताया कि जीएसटी 2.0 की शुरुआत के बाद कुछ खास मदों पर टैक्स 12 से घटाकर पांच प्रतिशत करना एक 'ऐतिहासिक सुधार' था, लेकिन अब भी कुछ चीजों पर अधिक जीएसटी लग रहा है।

हमेशा कुंवारी रहना चाहती हैं फातिमा सना शेख

टीवी से लेकर बॉलीवुड तक में धूम मचा चुकीं एक्ट्रेस फातिमा सना शेख आज अपना 34वां बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं. हिंदू पिता और मुस्लिम मां के घर पैदा हुईं फातिमा को साल 2016 में आई फिल्म 'दंगल' से खास पहचान हासिल हुई थी. इसमें उन्होंने आमिर खान के साथ काम किया था. आगे जाकर उनका नाम आमिर के साथ भी जुड़ा था. लेकिन, फातिमा की पर्सनल लाइफ की बात करें तो वो शादी नहीं करना चाहती हैं. एक इंटरव्यू में उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई थी.फातिमा सना शेख का जन्म 11 जनवरी 1992 को मुंबई में हुआ था. उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में की थी. सबसे पहले वो साउथ सुपरस्टार कमल हासन की बेहतरीन फिल्म 'चाची' 420% में नजर आई थीं. ये पिक्चर साल 1997 में आई थी. तब फातिमा सिर्फ 5 साल की थीं. फिल्मों के अलावा उन्होंने 'अगले जनम मोहे बिटिया ही कीजो' और 'बेस्ट ऑफ लक निक्की' जैसे टीवी सीरियल्स में भी काम किया है.दंगल में फातिमा ने खुद से 27 साल बड़े आमिर खान की बेटी का किरदार निभाया था. इसके बाद दोनों ने साल 2018 की फिल्म 'ठग्स ऑफ हिन्दोस्तान' में काम किया था. इसके बाद से दोनों के अफेयर की खबरें आने लगी थीं. वहीं जब आमिर का 2021 में किरण राव से तलाक हुआ था तब भी इन अफवाहों ने तूल पकड़ा था. लेकिन, फातिमा ने इन खबरों को खारिज कर दिया था और कहा था कि इन चीजों ने उन्हें परेशान किया था. हालांकि बाद में वे इसे नजरअंदाज करने लगीं.फातिमा सना शेख ने साल 2021 में एक इंटरव्यू में कहा था कि वो कभी शादी नहीं करेंगी. एक्ट्रेस ने इसके पीछे की वजह पर भी खुलकर बात की थी. जब उनसे शादी पर सवाल हुआ था तो अभिनेत्री ने कहा था, शादी पर मेरा कोई टेक नहीं है. मैं अभी भी बच्ची हूं मुझे जीने दो.फातिमा से आगे सवाल किया गया था, आप खुद को शादी के लिए कब तैयार मानेंगी।

क्या दीपिका को तृप्ति ने किया रिप्लेस

बॉलीवुड के फैंस हमेशा से ही बड़े नामों, बड़े सितारों और बड़े बदलावों को लेकर एक्साइटेड रहते हैं. जब बात विशाल भारद्वाज जैसे फेमस डायरेक्टर की फिल्म की होती है, तो हर खबर सीधे सुर्खियों में छा जाती है. अब इसी कड़ी में एक दिलचस्प मोड़ आया है जिसमें दीपिका पादुकोण का नाम पहले जिस फिल्म से जुड़ा था, वहां अब तृप्ति डिमरी की एंट्री हो चुकी है. दरअसल, हाल ही में विशाल भारद्वाज की फिल्म 'ओ रोमियो' का टीजर रिलीज हुआ है, जिससे अब दीपिका पादुकोण के जुड़े होने की बात सामने आ रही है.
शाहिद कपूर के साथ तृप्ति डिमरी की फिल्म 'ओ रोमियो' की टीजर सामने आ गया है, जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं. टीजर रिलीज होने के बाद से फिल्म की कास्ट तो चर्चा में है ही, लेकिन उससे भी ज्यादा सुर्खियां फिल्म के डायरेक्टर विशाल भारद्वाज का 8 साल पुराना पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. साल 2018 में विशाल भारद्वाज एक नई फिल्म पर काम करने वाले थे जिसका नाम तय नहीं हुआ था, लेकिन उसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण और दिग्गज एक्टर इरफान खान के शामिल होने की खबरें थीं.डायरेक्टर ने इसके बारे में पोस्ट करते हुए लिखा था कि मैं फिल्म की रिलीज को कुछ महीनों के लिए टाल रहा हूं क्योंकि मेरे दोनों मुख्य कलाकार अलग-अलग स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं. इरफान को पीलिया हो गया है और उन्हें ठीक होने में कुछ सप्ताह लगेंगे. वहीं दीपिका पादुकोण की पीठ की समस्या, जो पद्मावत की शूटिंग के दौरान शुरू हुई थी, अब फिर से उभर आई है.इस पोस्ट को अब दोबारा से सर्फेस करते हुए कई लोगों का कहना है कि ये फिल्म विशाल भारद्वाज की वहीं फिल्म है, जिसमें दीपिका और इरफान साथ काम करने वाले थे. लेकिन, अब इस फिल्म में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी नजर आ रही हैं. omeoएक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है जिसमें रोमांस, ड्रामा और थ्रिल का तड़का है. लोगों का कहना है कि तृप्ति ने एक बार फिर से दीपिका को इस फिल्म में रिप्लेस कर दिया है. इससे पहले फिल्म स्पिरिट में भी तृप्ति ने दीपिका की जगह ली है. 'ओ रोमियो' 13 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है, जिसमें तमन्ना भाटिया, अविनाश तिवारी, विक्रांत मैसी, दिशा पाटनी, फरीदा जलाल जैसे एक्टर्स शामिल हैं।

श्री लीला का गिरता ग्राफ

बैक-टू-बैक फ्लॉप फिल्मों से संकट में करियर

श्री लीला ने टॉलीवुड में काफी तरक्की की है, और अपने कई साथ काम करने वालों के मुकाबले कम समय में ही अच्छी पॉपुलैरिटी और क्रेज़ कमाया है।उनकी ज़बरदस्त डांसिंग स्किल्स और ग्लैमरस स्क्रीन प्रेजेंस ने उन्हें आज का स्टार बनाया है। बड़ी हिट्स न मिलने के बावजूद, श्री लीला को अपने तेलुगु रूट्स और अपनी शानदार एक्टिंग परफॉर्मेंस की वजह से बड़े ऑफर मिले।बदकिस्मती से, उनकी हालिया फिल्में इस स्टार को कोई पहचान नहीं दिला पाईं। गुंटूर करम, रॉबिनहुड, एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी, अधिकेशव, जूनियर और मास जथारा जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर निराशाजनक तरीके से खत्म हुईं और इन फिल्मों में उनके छोटे रोल की वजह से उन्हें कोई क्रेडिट नहीं मिला। उन्हें अपनी पहली तमिल फिल्म पराशक्ति से बड़ी उम्मीदें थीं, जिसमें शिवकार्तिकेयन लीड रोल में हैं। कई सेंसर बोर्ड की मुश्किलों और विवादों के बाद, यह पीरियड ड्रामा आज आखिरकार कॉलीवुड ऑडियंस के बीच अच्छी चर्चा के साथ स्क्रीन पर आ गई।क्योंकि फिल्म आज के ज़माने के सब्जेक्ट पर है, इसलिए उम्मीद थी कि यह बॉक्स ऑफिस पर ज़बरदस्त शुरुआत करेगी और थलपति विजय की जन नायकन के पोस्टपोन होने से इसे काफी फायदा होगा।लेकिन, फिल्म को पहले दिन मिली-जुली रिपोर्ट मिलीं। कागज़ पर एक मज़बूत कहानी होने के बावजूद, परशक्ति कहानी की कई कमियों की वजह से सबकी राय पाने में नाकाम रही।

संगीत नाइट में कृति का स्वैग

दुल्हन से ज़्यादा बड़ी बहन के चर्चे, कृति सेनन का 'धांसू' ब्राइड्समेड लुक वायरल

कुंवारी कृति सेनन ने अपनी छोटी बहन नूपुर के संगीत में अपने धांसू लुक से महफिल लूट ली। गहरे गले के ब्लाउज और भारी लहंगे में उनकी कातिल अदाओं ने सबका ध्यान खींचा। अपनी बोल्डनेस और जबरदस्त डांस परफॉरमेंस से कृति ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है, जिससे वह शादी की सबसे हॉट ब्राइड्समेड बन गई हैं।

बॉलीवुड की 'परम सुंदरी' कृति सेनन इन दिनों अपनी छोटी बहन नूपुर सेनन की शादी के फंक्शन्स में जमकर धूम मचा रही हैं। हाल ही में हुए संगीत समारोह में कृति ने अपने बोल्ड और ग्लैमरस अवतार से दूल्हा-दुल्हन से भी ज़्यादा सुर्खियाँ बटोर लीं। अपनी छोटी बहन के खास दिन पर कृति का देसी अवतार सोशल मीडिया पर जबरदस्त वायरल हो रहा है। कृति सेनन इस संगीत नाइट में एक बेहद खूबसूरत और हैवी एम्ब्रॉयडरी वाले लहंगे में नज़र आईं। लेकिन उनके पूरे लुक की जान उनका गहरे गले का ब्लाउज था। ब्लाउज का 'डू' नेकलाइन डिज़ाइन कृति के टोंड फिगर को बखूबी फ्लॉन्ट कर रहा था। ब्लाउज पर बारीक धागों और मिरर वर्क का काम किया गया था, जो उन्हें एक बोल्ड और मॉडर्न ब्राइड्समेड लुक दे रहा था। कृति ने अपने लुक को संतुलित रखने के लिए पेस्टल शेड का एक भारी घेरदार लहंगा चुना था। नेट और ऑर्गेंज़ा के मेल से बना यह लहंगा काफी रॉयल लग रहा था। उन्होंने दुपट्टे को कंधे पर पिन करने के बजाय खुले स्टाइल में कैरी किया, जिससे उनकी ड्रेस का पूरा डिज़ाइन और ब्लाउज साफ नज़र आ रहा था।

कृति ने अपने लुक को 'मिनिमल' रखते हुए एक्सेसरीज पर खास ध्यान दियाद्य उन्होंने गले में एक हैवी चोकर सेट पहना था, जो उनके गहरे गले के ब्लाउज के साथ एकदम सटीक बैठ रहा था। 'ड्यूई स्किन' और न्यूड शेड लिपस्टिक के साथ कृति ने अपनी आँखों को स्मोकी टच दिया था। उन्होंने अपने बालों को हल्का कर्ल करके खुला रखा था, जो उनके लुक में स्वैग जोड़ रहा था। संगीत की रात हो और कृति सेनन के पैर न थिरकें, ऐसा मुमकिन नहीं है। अपनी छोटी दुल्हन बहन नूपुर के लिए कृति ने स्टेज पर जबरदस्त डांस परफॉरमेंस दी। उन्होंने 'परम सुंदरी' और कई अन्य बॉलीवुड हिट्स पर ठुमके लगाए। स्टेज पर कृति की ऊर्जा और अपनी बहन के प्रति उनका प्यार देखकर वहाँ मौजूद सभी मेहमान भावुक भी हुए और उत्साहित भी। डांस और मस्ती के बीच एक ऐसा पल भी आया जब कृति अपनी छोटी बहन को दुल्हन के लिबास (संगीत लुक) में देखकर भावुक हो गईं। कृति ने एक छोटी सी स्पीच दी जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे नुपुर उनकी सिर्फ बहन नहीं बल्कि सबसे अछी दोस्त हैं। बैकग्राउंड स्क्रीन पर दोनों बहनों के बचपन की तस्वीरों का एक कोलाज चलाया गया, जिसने माहौल को काफी इमोशनल बना दिया था।

मिर्जापुर द फिल्म की शूटिंग शुरू होते ही खुला बड़ा राज

सीरीज के पहले सीजन में कई अहम किरदारों को मार दिया गया था, जिसमें श्रिया पिलगांवकर और विक्रांत मैसी का नाम शामिल है. इन्होंने सीरीज में 'स्वीटी गुप्ता' और 'बब्लू पंडित' का रोल निभाया था, लेकिन अब फिल्म की शूटिंग के दौरान पता चल रहा है कि जिस किरदार को पहले सीजन में मार दिया गया था वो अब वापसी कर रहा है. दरअसल, हाल ही में श्रिया पिलगांवकर ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए फिल्म का हिस्सा होने की जानकारी दी है.

पिछले कुछ समय में फिल्मों से ज्यादा तारीफें कई वेब सीरीज ने बटोरी है, 2-3 सीजन होने के बावजूद लोगों को इसकी कहानियों ने बांधे रखा है. इस तरह की वेब सीरीज की लिस्ट में मिर्जापुर का नाम शामिल है, ये क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज है. इस सीरीज को लोगों ने खूब पसंद किया था और अब इसकी फिल्म बन रही है, जिसके लिए फैंस काफा एक्साइटेड हैं. हालांकि, सभी सीजन के चेहरे इस फिल्म में नजर आने वाले हैं, लेकिन लोगों का सवाल है कि वेब सीरीज में जिन किरदारों को मार दिया गया था क्या वो भी फिल्म का हिस्सा होंगे, तो ऐसे में यहां उनके लिए जवाब है.साल 2018 में 'मिर्जापुर' का पहला सीजन रिलीज किया गया था, जिसमें मिर्जापुर क्षेत्र में फैले अपराध, सत्ता और बदले की राजनीति की कहानियों को दिखाया गया था. सीरीज में कई कमाल के एक्टर्स शामिल हैं, जो अहम रोल में हैं. सीरीज का तीन सीजन आ चुका है, जिसे लोगों से खूब प्यार मिला और अब इस सीरीज पर फिल्म बनाई जा रही है, जिसका नाम 'मिर्जापुर द फिल्म' है. फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी गई है, कई एक्टर्स ने सोशल मीडिया पर फोटो भी शेयर किए हैं.सीरीज के पहले सीजन में कई अहम किरदारों को मार दिया गया था, जिसमें श्रिया पिलगांवकर और विक्रांत मैसी का नाम शामिल है. इन्होंने सीरीज में 'स्वीटी गुप्ता' और 'बब्लू पंडित' का रोल निभाया था, लेकिन अब फिल्म की शूटिंग के दौरान पता चल रहा है कि जिस किरदार को पहले सीजन में मार दिया गया था वो अब वापसी कर रहा है. दरअसल, हाल ही में श्रिया पिलगांवकर ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए फिल्म का हिस्सा होने की जानकारी दी है.श्रिया पिलगांवकर के अलावा विक्रांत इस फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे उनकी जगह जितेंद्र ने ले ली है. हालांकि, श्रिया ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म का क्लैपबोर्ड शेयर किया है और साथ ही फिल्म की कास्ट के साथ भी तस्वीरें साझा की है. इस फिल्म में मुन्ना भैया का भी किरदार वापसी कर रहा है, जिसे दिव्येंदु शर्मा ने निभाया है।